

eul\_wid: mlw-an

Ἀριστοφάνους Σχόλια · Aristophanes Scholia

## Glosses-Plutus

Γλῶσσαι εἰς Πλοῦτον

**Period:** Ἑλληνιστική [Hellenistic](#)

**Dialect:** Κοινή τεχνική [Technical Koine](#)

**Domain:** Γραμματική [Grammar](#)

**Format:** Ἑμμετρος Verse

- book 1 ὥς ἀργαλέον] λίαν ἐργῶδες, δύσκολον, χαλεπόν U. ἀττικὸν τὸ σχῆμα Lut
- book 2a δοῦλον] τινά U
- book 2b παραφρονοῦντος] παρὰ τὸ εἰκὸς φρονοῦντος U
- book 3a ἦν ... τύχη] εἰπὼν γὰρ τὰ συμφέροντα, ἦν μὴ καὶ τῷ δεσπότη αὐτὰ δόξωσιν ἀρεστά, μαστιγεῖται U
- book 3b τύχη] ἀντὶ Amb
- book 4a τ' αὐτὰ] ὅμοια U
- book 4b τῷ κεκτημένῳ] ἤγουν τῷ κυρίῳ U. τῷ δεσπότη Amb
- book 5 τῶν κακῶν] ἢ τῶν κακῶν τοῦ δεσπότου ἢ τῶν τιμωριῶν ἤγουν τῶν μαστίγων U. πληγῶν, τιμωριῶν Amb
- book 6 κύριον] σῶμα U
- book 7a κρατεῖν] ἐξουσιάζειν U
- book 7b ὁ δαίμων] ἡ τύχη U Amb
- book 7c τὸν ἐωνημένον] τὸν ὠνησάμενον U. τὸν ἀγοράσαντα· τὸ παθητικὸν ἀντὶ ἐνεργητικοῦ m2 Amb
- book 8a καὶ ... μὲν] σχῆμα ἀποθετικόν U
- book 8b ταῦτα] ἀντὶ τοῦ “οὕτως” U
- book 8c τῷ δὲ Λοξίᾳ] τῷ Ἀπόλλωνι U
- book 9a ὅς] μετάκλισις U
- book 9b θεσπιωδεῖ] χρησιμοματεύεται U
- book 10a μέμψιν] ἀττική περίφρασις U
- book 10b μέφομαι] αἰτιῶμαι· ἐξουδενῶ· καταγινώσκω U
- book 11a ἰατρὸς] – suprascr. ad ἰα– Amb
- book 11b ὦν ... μάντις] τῆς βαρύτητος τὸ σχῆμα U
- book 11c μάντις] κοινὴ συλλαβή Amb
- book 11d ὥς ... σοφός] ἐγὼ δὲ οὐ πείθομαι U

|          |                                                                                      |
|----------|--------------------------------------------------------------------------------------|
| book 12a | μελαγχολῶντ'] παραπαίοντα, παραλογιζόμενον U. παραφρονοῦντα Amb                      |
| book 12b | ἀπέπεμψε] εἰς τοῦπίσω U                                                              |
| book 13  | κατόπιν] ὀπισθεν U                                                                   |
| book 14  | ποιεῖν] super ποι- signum mensurae brevis et πο (i.e. ποῖν) Amb                      |
| book 15a | ]γνωμικόν U                                                                          |
| book 15b | βλέποντες] ἡμεῖς U                                                                   |
| book 16a | ἀκολουθεῖ] τῷ τυφλῷ U                                                                |
| book 16b | προσβιάζεται] συνακολουθεῖν U. (προσ)βιάζει Amb                                      |
| book 17a | παράπαν] παντελῶς U                                                                  |
| book 17b | οὐδὲ γρὺ] φώνημα μικρόν U                                                            |
| book 18a | οὐκ ἔσθ' ὅπως] τρόπος ἀττικός U                                                      |
| book 18b | ὅπως] ὅτι Amb                                                                        |
| book 18c | σιγήσομαι] σιγήσω Amb                                                                |
| book 19  | ὅ τι] διατί U Amb                                                                    |
| book 20  | πράγματα] ὀχλήσεις U. θορύβους, ὀχλήσεις Amb                                         |
| book 21a | τυπτήσεις] ἐκ τοῦ “τυπτῶ” ἀττικῶς Amb                                                |
| book 21b | ἔχοντά] φοροῦντα U                                                                   |
| book 22a | μὰ] προσληπτέον τὸ “οὐ”, ἴν' ἢ ἀπωμοτικὸν τὸ “μά” U                                  |
| book 22b | λυπῆς τί] τύψω σε U                                                                  |
| book 23a | ἀλγῆς] λυπηθῆς U                                                                     |
| book 23b | λῆρος ... παύσομαι] ἐκάλυψε τὴν ὕβριν U                                              |
| book 24  | ποτ'⟩ περισσὸν τὸ “ποτέ” Amb                                                         |
| book 25a | εὐνους] πιστός U                                                                     |
| book 25b | πυνθάνομαι] ἐρωτῶ U                                                                  |
| book 26a | οὐ σε κρύψω] πάντα σοι εἶπω U                                                        |
| book 26b | σε] ἀντὶ τοῦ “σοί” Amb                                                               |
| book 26c | οἰκετῶν] τῶν ἐν τῷ οἴκῳ Amb                                                          |
| book 27  | κλεπτίστατον] εὐνούστατον, φρονιμώτατον. παρ' ὑπόνοιαν U. τὸ σχῆμα παρ' ὑπόνοιαν Amb |
| book 29a | κακῶς ἔπραττον] ἐδυστύχουν U. ἐδυστύχησαν Amb                                        |
| book 29b | ἦν] “ἤμην” ἀττικῶς U                                                                 |
| book 29c | οἶδά τοι] γινώσκω ὅτι U. γινώσκω ἀκριβῶς Amb                                         |
| book 30  | ρήτορες] δημαγωγοί Amb                                                               |
| book 31a | πονηροί] δόλιοι U                                                                    |
| book 31b | πείθομαι] ὅτι ἀληθῶς λέγεις U                                                        |
| book 32a | ἐπερησόμενος] ἐρωτήσων U                                                             |
| book 32b | ὥς] εἰς U. πρὸς Amb                                                                  |
| book 32c | τὸν θεόν] τὸν Ἀπόλλωνα Amb                                                           |
| book 33  | τὸν ἐμὸν] “ἐμοῦ” ἀττικῶς U                                                           |
| book 34  |                                                                                      |

|          |                                                                         |
|----------|-------------------------------------------------------------------------|
|          | ἐκτετοξεῦσθαι] ὑπὸ τῶν τόξων τῆς εἰμαρμένης ἀναιρεθῆναι m2 Amb          |
| book 35a | τὸν δ' υἰόν] περὶ δὲ τοῦ υἱοῦ. ἀντίπτωσις, ἀττικῶς U                    |
| book 35b | μόνος] μόνος ἐστίν U. μονογενής Amb                                     |
| book 36a | πενυσόμενος] μαθησόμενος U. χρησόμενος, μαντευσόμενος Amb               |
| book 36b | τοὺς τρόπους] τοὺς δικαίους καὶ πατρώους U                              |
| book 37  | ὕγιες] δίκαιον φρονεῖν U. ὀρθόν, ἀγαθόν Amb. ἀληθές, ὀρθόν in calce Lut |
| book 38a | τοῦτ' αὐτὸ] τὸ ἀδικεῖν U                                                |
| book 38b | ξυμφέρειν] ἀττικῶς Amb                                                  |
| book 40  | ὁ θεός] ὁ Ἀπόλλων Amb                                                   |
| book 41a | ᾧτῳ] ᾧτινι Amb                                                          |
| book 41b | ἐξιών] ἐκ τοῦ ἱεροῦ δηλονότι U. ἐκ τοῦ ἱεροῦ Amb                        |
| book 42a | μεθίεσθαι] ἀπολιμπάνεσθαι Amb                                           |
| book 42b | ἔτι] παρέλκον U                                                         |
| book 43  | πείθειν] ἐκεῖνον U                                                      |
| book 44a | τῷ] τίνι Amb                                                            |
| book 44b | τουτωῖ] super -ω- signum mensurae brevis Amb                            |
| book 45a | τὴν ἐπίνοιαν] τὸ αἰνίγμα, τὴν μαντείαν U. τὴν διάνοιαν Amb              |
| book 45b | τοῦ θεοῦ] τοῦ χρησμοδήματος Amb                                         |
| book 46  | σκαίοτατέ] ἀμαθέστατε U. μάταιε, ἀπαίδευτε Amb                          |
| book 47a | ἀσκεῖν] παιδεύειν, ῥυθμίζειν Amb                                        |
| book 47b | τὸν ἐπιχώριον] τὸν πανοῦργον U                                          |
| book 48a | τῷ ... κρίνεις] τίνι τρόπῳ τοῦτο λέγεις U                               |
| book 48b | ὅτι] δὴ Amb                                                             |
| book 49a | γινῶναι] κατὰ γινῶσιν νοηθῆναι U. γνωσθῆναι Amb                         |
| book 49b | δοκεῖ] νομίζεται Amb                                                    |
| book 49c | ὥς] ὅτι U                                                               |
| book 50a | ὕγιες] ἀληθές U. ἀγαθόν Amb                                             |
| book 50b | ἐν τῷ νῦν χρόνῳ] ἤγουν ἐν τῇ νῦν γενεῇ Amb                              |
| book 51  | ρέπει] ἀποβλέπει U                                                      |
| book 53  | τοῦ χάριν] τίνος ἔνεκα Amb                                              |
| book 54a | μετὰ νῶν] ἐν ἡμῖν Amb                                                   |
| book 54b | ἐνθαδί] ἐς Δελφούς Amb                                                  |
| book 55a | πυθοίμεθ'] γνοίημεν Amb                                                 |
| book 55b | τὸν χρησμὸν] τὴν δοθεῖσαν ἡμῖν χρησμοδίαν Amb                           |
| book 55c | νοεῖ] νοῦν δίδωσιν U. δηλοῖ Amb. σημαίνει Lut                           |
| book 56  | σὺ πότερον] ἡ πεῦσις ἀπειλητική U                                       |
| book 57  | τάπιδι τούτοις δρῶ] τὰ ἐπὶ τῇ ἀπειλῇ δράσω U                            |
| book 58  | μανθάνεις] πρὸς τὸν δεσπότην λέγει ὅτι ἀκούεις U                        |
| book 59  |                                                                         |

ὅς φησιν εἶναι] τί σοι λέγει U. δηλονότι τυφλός· ἐναντίον γὰρ πρὸς τὰς ἑαυτοῦ θελήσεις  
ἐφαίνετο mrg. Lut

- book 60 σκαιῶς] ἀπαιδεύτως Amb
- book 61a εὐόρκου] εὐσεβοῦς U Lut. δικαίου Amb
- book 61b τρόποις] ἤθεσιν U
- book 62 κλάειν] “κλαίειν” ἄττικόν U
- book 63 τὸν ὄρνιν τοῦ θεοῦ] μαντεῖαν, σύμβολον U
- book 64a χαιρήσεις] ἐκ τοῦ “χαιρῶ” Amb
- book 64b ἔτι] διὰ τὸ μὴ φράσαι Lut
- book 66 πώμαλα] ἀρνητικὸν ἐπίρρημα U
- book 69 ἀναθεῖς] ἀναβιβάσας U
- book 70 ἐκτραχηλισθῇ] κατὰ κάρα ἀπολεσθῇ U. τραυσθῇ τὸν τράχηλον Amb. συντριβῇ Lut
- book 71 ἀλλ’] ὁ “ἀλλά” περισσῶς ἄττικῶς Amb
- book 73 κακόν τι] εἰς U
- book 74 ἡμεῖς γ’] ἀπολύομεν U. προσληπτέον τὸ “ἀφήσομεν” c.t. Lut
- book 75 ἡνὶ μεθίεμεν] “ἰδοῦ” ἄττικόν. λείπει “ἔρεῖς;” U. ἰδοῦ μεθίεμεν c.t. Lut
- book 76 ἐμὲ] (ἐμ)οὶ U
- book 77 παρεσκευασμένος] ἡντρεπισμένος Lut
- book 81 ὦ Φοῖβ’] ἐκπληκτικόν U
- book 82 εἶ σύ] ὁ θρυλλούμενος U
- book 84 αὐχμῶν] ῥυπῶν σε U. κατάξηρος, ἄλουτος Amb
- book 85 ἐγένετο] εἰς γέννησιν παρήχθη ἢ ἐγένετο πλούσιος U. ἐγεννήθη Lut
- book 86a τὸ κακόν] τὸ τυφλὸν εἶναί σε U. τὴν τύφλωσιν Lut
- book 86b κάτειπέ] ἄττικῶς ὡς τὸ “ἔξειπε” U
- book 88 ἡπείλης] καὶ ἐκαυχησάμην U. ἐκόμπασα, ἐκαυχησάμην Amb. ἐκαυχησάμην Lut
- book 89a ὡς] εἰς U. πρὸς Amb
- book 89b κοσμίους] συνετούς U
- book 94a ὁμολογῶ σοι] ὁμοφωνῶ σοι U. συμφωνῶ σοι Amb
- book 94b φέρε, τί οὖν] μετάβασις U
- book 97 ὡς] πρὸς Amb
- book 98 πολλοῦ] διὰ U Amb Lut
- book 99a καὶ] περισσῶς Amb
- book 99b θαῦμά γ’] ἐστίν U
- book 100a νῦν] γοῦν Amb
- book 100b ἴστον] ἐμάθετε U
- book 101 μὰ Δί’] “οὐ” ἐλλειπτικῶς U
- book 102 πράγματα] κόπους Amb
- book 104 ἀπολίπης] super –λί– signum mensurae brevis Amb
- book 105 ζητῶν] ἀνερευνῶν U

- book 106a μὰ] οὐ U
- book 106b ἄλλος] δίκαιος, ἀττικόν U
- book 109 ἀτεχνῶς] ἀδόλως, φανερώς, ἀπερικαλύπτως U
- book 111a μὰ] οὐ Amb
- book 111b ἀπαξάπαντες] παντελῶς πάντες Amb
- book 115 ὀφθαλμίας] νῦν τῆς τυφλώσεως Amb
- book 118 φύσει] ἀληθείᾳ U
- book 119 μῶρ'] ἔπη U
- book 120 ἐπιτρίψειε] ἀφανίσειεν U
- book 123 ἄλῃθες] εἶρω <νικῶς> · ἐπίρρημα θαυμαστικόν U
- book 124a οἷι] ὑπολάβης U
- book 124b τυραννίδα] τὴν δύναμιν αὐτοῦ U
- book 125 τριωβόλου] τοῦ Amb
- book 126 κᾶν] τὸ “κᾶν” δηλοῖ τὸ “ἔάν”· νῦν δὲ ὡς ἐπὶ τῆς συνηθείας, ὃ σπανίως εἴρηται Amb
- book 127a ᾗ] ἐπιτιμητικὸν ῥῆμα U. ἐπίρρημα ἐπιτιμητικόν Amb
- book 127b πόνηρε] ἄθλιε U
- book 127c ἔχ' ἥσυχος] “ἔσο” ἀττικόν, ὥσπερ καὶ τὸ “ἔχε ἀτρέμας” ἀντὶ τοῦ “ἔσο” U
- book 129 δυνάμενον] suprascr. ad δυνά- Amb
- book 130a αὐτίκα γὰρ] suprascr. ad -τίκα γὰρ Amb
- book 130b διὰ τίν'] suprascr. ad διὰ τίν' Amb
- book 131a ἰστέον ὅτι μάρτυρος τάξιν ἀναπληροῖ ὁ δοῦλος U. μάρτυρος τάξιν ἀναπληροῖ ὁ Καρίων int. Amb
- book 131b διὰ] signum mensurae brevis suprascr. ad -ὰ Amb
- book 131c τὰργύριον] suprascr. ad -γύρι- Amb
- book 132a αὐτῷ] τῷ Δίῃ Amb
- book 132b ὀδί] οὗτος ὁ Πλοῦτος Amb
- book 133a διὰ τίν'] suprascr. ad διὰ τίν' Amb
- book 133b οὐ διὰ] suprascr. ad διὰ Amb
- book 133c διὰ τουτονί] διὰ τὸ ἔχειν πλοῦτον ἢ εὐχόμενοι πλουτῆσαι p.i.m. Amb
- book 134a εὔχονται γε] νῦν φανεροῖ τὸ ἀσαφῶς πρὶν λεχθέν, τὸ διὰ τουτονί p.i.m. Amb
- book 134b ἄντικρυς] φανερώς U. φανερώς “ἀντικρύ” δὲ ἐξ ἐναντίας Lut
- book 135 ὄδ'] ὁ Πλοῦτος U
- book 136a ταῦτ'] τὰ θύματα U
- book 136b ὅτι τί δή] διατί, διὰ ποῖον τρόπον U. διατί, πῶς Amb
- book 138 ψαιστόν] πόπανον ἐξ ἀλεύρου δεδευμένον U
- book 139a μὴ βουλομένου σου] συνελθεῖν τῷ Δίῃ· ἢ μὴ ὄντος σοῦ U
- book 139b οὐκ ἐσθ' ὅπως] τίς ἔνεκα τοῦ θύειν· ἀττικὸς ὁ τρόπος U
- book 141 λυπῇ τι] αὕτη ἡ δύναμις σε U
- book 147

|           |                                                                                  |
|-----------|----------------------------------------------------------------------------------|
|           | μικρὸν] βραχύ Amb                                                                |
| book 148  | ἴσως] suprascr. ad ἴ– Amb                                                        |
| book 149  | ] νῦν τὰς πόρνas Καρίων· καὶ γὰρ αἱ παλλακαὶ Amb                                 |
| book 150a | πειρῶν τύχη] πειρᾶ U                                                             |
| book 150b | πειρῶν] συννεύων, προσβάλλων U                                                   |
| book 151a | οὐδὲ ... νοῦν] οὐ μόνον ὅτι προσδιαλέγονται, ἀλλ' οὐδὲ ὁρῶσι σχεδόν U            |
| book 151b | προσέχειν] ἐπιστρέφειν Amb                                                       |
| book 152  | πρωκτὸν] νηδὺν εὐφήμως U                                                         |
| book 153  | παῖδας ... δρᾶν] ἀκώλυτον ἦν πάλαι τὸ παιδοφιλεῖν Amb                            |
| book 154a | οὐ τῶν ἐραστῶν] οὐ χάριν τῆς ἐπιθυμίας U                                         |
| book 154b | χάριν] ἔνεκα Amb                                                                 |
| book 155a | τούς γε χρηστούς] χρησιμωτάτους U                                                |
| book 155b | τούς πόρνους] πορνεύοντας τοῦ ἀγαθοῦ U. ὁ πόρνος, ἡ πόρνη καὶ τὸ πόρνον Amb      |
| book 156  | οἱ χρηστοί] οἱ ἄπορνοι παῖδες Amb                                                |
| book 157  | ἀγαθόν] ταχύν, ἀπὸ τοῦ “ἄγαν θέειν” U                                            |
| book 159  | περιπέττουσι] λόγῳ ἐτέρῳ διὰ τὸ αἰτεῖν ἵππον U. συγκρύπτουσιν Amb                |
| book 160a | τέχναι] πανουργία καὶ αἱ κοινῶς καλούμεναι τέχναι Amb                            |
| book 160b | σοφίσματα] μηχαναὶ Amb                                                           |
| book 163  | τεκταίνεται] κατάγεται περὶ τεκτονικὴν U                                         |
| book 165  | λωποδυτεῖ] τὰ ἱμάτια συλᾷ U                                                      |
| book 167  | βυρσοδεψεῖ] βάφει τόμους, βύρσας μαλάσσει U                                      |
| book 168  | παρατίλλεται] τὰς τρίχας τῆς ἥβης ἤγουν τῆς ὀσφύος U                             |
| book 170  | μέγας δὲ βασιλεὺς] τὸν Ξέρξην λέγει U                                            |
| book 171  | ἐκκλησία] καὶ ὁ τόπος καὶ ὁ λαός p.i.m. U                                        |
| book 175a | ὁ Βελονοπώλης] παράσιτος ἦν τοῦ Παμφίλου U                                       |
| book 175b | δὲ οὐχί] εἰ δ' οὐ συναλείψεις τὸ ε, ἀλλ' εἴπης ”–λης δὲ οὐ”, συνίζησίς ἐστιν Amb |
| book 176  | πέρδεται] στρηνιᾶ U                                                              |
| book 177  | Φιλέσιος] πένης ὢν λέγων ἱστορίας ἐτρέφετο U                                     |
| book 178  | οὐχὶ διὰ] γρ(άφε) “οὐ διὰ” int. Amb                                              |
| book 182  | μονώτατος] ὡς τὸ “αὐτότατος” πέπαικται U Amb                                     |
| book 183  | ἴσθ' ὅτι] παρέλκον U                                                             |
| book 184a | κρατοῦσι] νικῶσι Amb                                                             |
| book 184b | ἐκάστοτε] καθ' ἐκάστην αἰεί Amb                                                  |
| book 185  | ἐπικαθίζηται] ἔνεστι Amb                                                         |
| book 186  | ποεῖν] ἀττικόν, ὡς τὸ “κλάειν” U. ποι(εῖν) Amb                                   |
| book 187  | πολλῷ πλείονα] δυνατὸς εἶ ποιῆσαι U                                              |
| book 189  | ] πρὸς τὸ ὁμηρικόν· “πάντων μὲν κόρος ἐστί, καὶ ὕπνου καὶ φιλότητος” Amb         |
| book 190  | τραγημάτων] βρωμάτων. ἐπὶ τῶν τραγημάτων “τὴν εὐωχίαν σεμνύνεις” ἐστὶ παροιμία U |
| book 192  |                                                                                  |

|           |                                                                                                  |
|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------|
|           | φιλοτιμίας] φιλοδοξίας Amb                                                                       |
| book 194  | τριακαίδεκα] γρ(άφε) “τρис(καίδεκα)” U                                                           |
| book 196  | άνύσηται] λάβη U. κτήσηται Lut                                                                   |
| book 197a | ἢ φησὶν οὐκ] εἰ μὴ λάβη U                                                                        |
| book 197b | (αὐτ)ῷ βίον] χορεῖος ὁ πούς Amb                                                                  |
| book 200a | ὅπως] πῶς U                                                                                      |
| book 200b | τὴν δύνάμιν] (τ)ῆς (δυνάμ)εως U                                                                  |
| book 201  | ταύτης] τὸ “πῶς” ἀπὸ κοινοῦ U. τοῦ ὁρᾶν m2 Amb                                                   |
| book 202  | ] στίχος ἐπίληπτος Amb                                                                           |
| book 206a | ἀπαξάπαντα] ἀττικῶς Amb                                                                          |
| book 206b | κατακεκλησμένα] ἀττικῶς Amb                                                                      |
| book 207  | τὴν πρόνοιαν] τὴν οἰκονομίαν Amb                                                                 |
| book 213  | σείσας δάφνην] οὕτω γὰρ μαντεύεται U                                                             |
| book 215a | ὀρᾶτε] σκέψασθε U                                                                                |
| book 215b | μηδὲν] περὶ μηδενὸς ἀττικῶς Amb                                                                  |
| book 215c | ῶγαθέ] ἀντὶ τοῦ “μωρέ” κατ’ εἰρωνείαν U                                                          |
| book 218a | χ’ ἄτεροι] ἔκθλιψις καὶ κρᾶσις U                                                                 |
| book 218b | νῶν] ἡμῖν Amb                                                                                    |
| book 219  | ἄλφιτα] ἄλευρα U                                                                                 |
| book 220  | πονήρους] ἐπιπόνους, ἀθλίους Lut                                                                 |
| book 222  | ἄλλ’ ἴθι] ἄπιθι U                                                                                |
| book 224  | ταλαιπωρουμένους] διὰ τὸ δύσεργον τῆς Ἀττι <κῆς> · ἔστι γὰρ πετρώδης U. πονοῦντας, κοπιῶντας Amb |
| book 225a | ἴσον] super ἱ- signa mensurae et brevis et longae Amb                                            |
| book 225b | ἕκαστος] κατὰ τὴν τοῦ δικαίου νέμεσιν U                                                          |
| book 226  | μετάσχη] κοινωνήση U                                                                             |
| book 229a | μελήσει] ἀττικόν U                                                                               |
| book 229b | ἀλλ’ ἀνύσας τρέχε] τὸ ἐπιτεταγμένον. πρωθύστερον U                                               |
| book 229c | ἀνύσας] σπεύσας U Cs Amb                                                                         |
| book 230  | κραστε] κράτιστε Amb                                                                             |
| book 233  | καὶ δικαίως κἀδίκως] ἀντὶ τοῦ “παντὶ τρόπῳ” U                                                    |
| book 234  | ἀλλ’ ἄχθομαι] φορτικὸν ἡγοῦμαι U                                                                 |
| book 235a | οἰκίαν] super -κί- signum mensurae brevis Amb                                                    |
| book 235b | ἀλλοτρίαν] ἀνάρμοστον ἐμοί U                                                                     |
| book 236a | ἀπέλαυς] εὖρον U Amb                                                                             |
| book 236b | αὐτοῦ] τοπικόν U. τοῦ εἰσελθεῖν m2 Amb                                                           |
| book 240  | μικρὸν ἀργυρίδιον] παρὰ τοῖς σοφοῖς ἀδολεσχία U                                                  |
| book 242a | παραπληγ’] παράφρονα U. ἀνόητον, ἀπαίδευτον Amb                                                  |
| book 242b | παραπληγ’] super utrumque α signa mensurae brevis Amb                                            |

|           |                                                                                    |
|-----------|------------------------------------------------------------------------------------|
| book 243a | κύβοισι παραβεβλημένος] super κύ-, –σι et παρα- signa mensurae brevis Amb          |
| book 243b | παραβεβλημένος] ἐκδεδυμένος U. ἐκδεδομένος m2 Amb                                  |
| book 244  | ἀκαρεῖ] βραχυτάτω Amb                                                              |
| book 245a | μετρίου] διαμετροῦντος ἑαυτοῦ τὸ ζῆν U. συμμέτρου Amb                              |
| book 245b | οὐκ ἐπέτυχες] γρ(άφε) “οὐκ ἀπήλαυσα” U                                             |
| book 246a | πῶς] θαυμαστικόν U, m2 Amb                                                         |
| book 246b | εἴμ’] γίνονται ὥς τὸ “ἐγένετο ὅλος τῆς γραμματικῆς” p.i.m. U                       |
| book 248a | τε ἀναλῶν ἡνίκ’] super τε, utrumque α et ί signa mensurae brevis Amb               |
| book 248b | τούτου] ἀπὸ κοινοῦ “χαίρω” U. τοῦ ἀναλίσκειν χρεῖα Amb                             |
| book 249a | εἰσώμεν] super ί signum mensurae brevis Amb                                        |
| book 249b | ἰδεῖν] ἀμφιβόλως U                                                                 |
| book 250a | τὸν υἷον τὸν μόνον] ἀττικισμοὶ τῶν ἄρθρων U                                        |
| book 250b | μόνον] μονογενῇ Amb                                                                |
| book 251  | μάλιστα μετὰ] super –στα et με- signa mensurae brevis Amb                          |
| book 252a | τί] διατί U                                                                        |
| book 252b | τις οὐχὶ] πᾶς Lut                                                                  |
| book 253a | ]θεράπων πρὸς τὸν χορόν U                                                          |
| book 253b | ]ἰαμβικοὶ τετράμετροι καταληκτικοί U Cs                                            |
| book 253c | ὦ πολλὰ δὴ] πολλάκις U. ἐπίτριτος τρίτος et super –λὰ signum mensurae brevis Amb   |
| book 253d | τῷ δεσπότη:] ὅμοιος Amb                                                            |
| book 253e | ταῦτὸν θύμον:] ὅμοιος Amb                                                          |
| book 253f | φαγόντες:] ὅμοιος. λείπει δὲ ἡ τελευταία συλλαβὴ καὶ δοκεῖ παλιμβακχεῖος εἶναι Amb |
| book 254a | φίλοι] super ί signum mensurae brevis Amb                                          |
| book 254b | πονεῖν] ἐργάζεσθαι U                                                               |
| book 254c | ἐρασταί] ἐπίτριτος α’ ἀτελῆς καὶ δοκεῖ βακχεῖος Amb                                |
| book 255a | ἴτ’ ἐγκονεῖ:] διάμβος Amb                                                          |
| book 255b | –τε σπεύδεθ’ ὥς:] ἐπίτριτος γ’ Amb                                                 |
| book 255c | ὁ καιρὸς οὐ:] διάμβος Amb                                                          |
| book 255d | οὐχὶ μέλλειν] ἀναδύεσθαι U                                                         |
| book 255e | –χὶ μέλλειν] ἐπίτριτος α’ Amb                                                      |
| book 256a | ἀλλ’ ἔστ’ ἐπ’ αὐ–:] --- suprascr. Amb                                              |
| book 256b | ἐπ’ αὐτῆς τῆς] ὁ καιρὸς U                                                          |
| book 256c | –τῆς τῆς ἀκμῆς:] δισπόνδειος Amb                                                   |
| book 256d | ἧ δεῖ παρόν.] --- suprascr. Amb                                                    |
| book 256e | παρόντας ἀμύνειν] συνεργεῖν ἡμῖν U                                                 |
| book 256f | –τας ἀμύνειν] ἰωνικὸς ἐλάσσων. Super –τας ἀμυ- signa – Amb                         |
| book 257a | :ὀρμημένους; ἡμᾶς πάλαι:] super –μέ- et super πά- signum mensurae brevis Amb       |
| book 257b | προθύμως] συντόμως U. -- suprascr. Amb                                             |
| book 258a |                                                                                    |

|           |                                                                      |
|-----------|----------------------------------------------------------------------|
|           | ὥς εἰκός ἐ-:] ἐπίτριτος γ'. Super ó signum mensurae brevis Amb       |
| book 258b | -στι γέροντας:] παιῶν τρίτος. Super -ροντας signa – Amb              |
| book 258c | ἀσθενεῖς γέροντας] περιπατεῖν U                                      |
| book 258d | ἀσθενεῖς ἄν:] ἐπίτριτος β' Amb                                       |
| book 258e | -δρας ἤδη] ἐπίτριτος α' δοκεῖ δὲ βακχεῖος Amb                        |
| book 259a | ἄξιοις] ἄξιον κρίνεις. Super pr. ι signum mensurae brevis Amb        |
| book 259b | ἴσος με θεῖν:] δίαμβος Amb                                           |
| book 259c | θεῖν] τρέχειν U                                                      |
| book 259d | πρὶν ταῦτα καὶ:] --- Suprascr. Amb                                   |
| book 259e | φράσαι] super á signum mensurae brevis Amb                           |
| book 260  | χάριν] – suprascr. Amb                                               |
| book 261a | οὐκοῦν ... σύ] καὶ μὲν αὐτὸς οὐ φαίνεται εἰπὼν U                     |
| book 261b | πάλαι] super á signum mensurae brevis Amb                            |
| book 261c | ἀκούεις] super á signum mensurae brevis Amb                          |
| book 263a | ψυχροῦ] super ψυ– signum mensurae longae Amb                         |
| book 263b | βίου] super βί– signum mensurae brevis Amb                           |
| book 263c | ἀπαλλαγέντας] super pr., tert. et quart. α signa mensurae brevis Amb |
| book 264a | τί] signum mensurae brevis suprascr. Amb                             |
| book 264b | πόθεν] super –θεν signum mensurae longae Amb                         |
| book 264c | τὸ] signum mensurae brevis suprascr. Amb                             |
| book 264d | πρᾶγμα] ἢ ὑπόθεσις U. Super –μα signum mensurae brevis Amb           |
| book 266a | κυφόν] super κυ– signum mensurae longae Amb                          |
| book 266b | μαδῶντα] φαλακρόν U Lut                                              |
| book 267a | οὐρανὸν] super –ρα– signum mensurae brevis Amb                       |
| book 267b | ψωλόν] ἢ ἀσχήμονα ἢ γυμνόν U. ἀσχήμονα Lut                           |
| book 268a | ὦ ... ἀγγείλας] ἀντὶ τοῦ εἰπεῖν “σωρὸν ἐπῶν” U Cs                    |
| book 268b | χρυσὸν] super –σὸν signum mensurae brevis Amb                        |
| book 268c | ἐπῶν] διὰ τῶν σῶν U. Super ἐ signum mensurae brevis Amb. διὰ Lut     |
| book 269a | γὰρ] signum mensurae brevis suprascr. Amb                            |
| book 269b | σωρὸν] super –ὸν signum mensurae brevis Amb                          |
| book 269c | ἤκειν] ἐλθεῖν U                                                      |
| book 269d | ἔχοντα] φέροντα U                                                    |
| book 270  | πρεσβυτικῶν] super ι signum mensurae brevis Amb                      |
| book 271a | μῶν] ἄρα U                                                           |
| book 271b | ἄξιοις] super pr. ι signum mensurae brevis Amb                       |
| book 271c | φενακίσας] παιῶν δ'. Suprascr. – Amb                                 |
| book 271d | ἀπαλλαγῆναι] super pr. et tert. α signa mensurae brevis Amb          |
| book 272a | ἀζήμιος] super ι signum mensurae brevis Amb                          |
| book 272b |                                                                      |

|             |                                                                                                                                         |
|-------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|             | βακτηρίαν] super ι signum mensurae brevis Amb                                                                                           |
| book 273a   | ] πρὸς τὸ “φενακίσας” φησὶ καὶ οὗτος ἀπατηλὸν καὶ ψευδῆ U                                                                               |
| book 273b   | φύσει] super υ signum mensurae brevis Amb                                                                                               |
| book 273c   | τὰ πάντα] οὐκ ἀμφίβραχυς, διάμβος δὲ καταληκτικός Amb                                                                                   |
| book 274a   | κούδεν] super ε signum mensurae brevis Amb                                                                                              |
| book 274b   | νομίζεθ’ υ.-] παιῶν β’ Amb                                                                                                              |
| book 274c   | -γιᾶς] συνίζησις Amb                                                                                                                    |
| book 275a   | ὥς σεμνὸς] λῖαν γαῦρος U                                                                                                                |
| book 275b   | σεμνὸς] super ο signum mensurae brevis Amb                                                                                              |
| book 275c   | οὐπίτριπτος] ἐπιτρίψεως καὶ βλάβης ἄξιος· ἐπιτρίψαι γὰρ τὸ διαφθεῖραι U. Super alt. o signum mensurae brevis Amb. ὁ ἄξιος συντριβῆς Lut |
| book 276a   | ιοὺ ἰοὺ] δίαμβος Amb                                                                                                                    |
| book 276b   | χοίνικας] κλάπας U. super -νικας signa – Amb                                                                                            |
| book 276c   | :ποθοῦσαι] ἀτελῆς ἐπίτριτος α’ Amb                                                                                                      |
| book 277a   | γράμμα] super alt. α signum mensurae brevis Amb                                                                                         |
| book 277b   | δικάζειν] super pr. ι signum mensurae brevis Amb                                                                                        |
| book 278a   | σὺ δ’ οὐ] παρέλκον U                                                                                                                    |
| book 278b   | βαδίζεις] super α signum mensurae brevis Amb                                                                                            |
| book 278c   | .-ζεις· ὁ δὲ Χά.] παιῶν α’ Amb                                                                                                          |
| book 278d   | ὁ δὲ Χάρων] παρ’ ὑπόνοιαν ἀντὶ τοῦ “ὁ κῆρυξ” U                                                                                          |
| book 278e   | -ρων τὸ ξύμβο.] ἐπίτριτος δ’ Amb                                                                                                        |
| book 278f   | -λον δίδωσι.] διτρόχαιος Amb                                                                                                            |
| book 279a   | διαρραγεῖς] super δι- et -ρα- signa mensurae brevis Amb                                                                                 |
| book 279b   | μόθων] φλύαρος, φορτικός, ἄτιμος, αἰσχρος, ταραχοποιός U. λάλος, φορτικός Lut                                                           |
| book 279c   | φύσει] super υ signum mensurae brevis Amb                                                                                               |
| book 279d   | κόβαλος] λάλος U Amb                                                                                                                    |
| book 280    | φενακίζεις] ἡμᾶς U                                                                                                                      |
| book 280bis | δεῦρο] ἐνταῦθα Amb                                                                                                                      |
| book 281a   | οἱ πολλὰ μοχθήσαντες] καινοπρεπές· “ὥς καὶ φάσαν ἢ πληθύν” U                                                                            |
| book 281b   | σχολῆς] ἀργίας Amb                                                                                                                      |
| book 282a   | θύμων] ὅτι θυμοφόρος ἢ Ἀττική int. U                                                                                                    |
| book 282b   | ρίζας διεκπερῶντες] διερχόμενοι, συλλέγοντες, ὥς φρύγανα Amb                                                                            |
| book 282c   | διεκπερῶντες] ἀνασπῶντες U                                                                                                              |
| book 284    | ῶνδρες] ἀττική συναλοιφή U                                                                                                              |
| book 285    | ὄς] ὁ Πλοῦτος Amb                                                                                                                       |
| book 286    | ·-μῖν εἶναι:] ἐπίτριτος δ’ ἀτελῆς Amb                                                                                                   |
| book 287a   | Μίδας] φύσει μεγαλώτης ἦν U                                                                                                             |
| book 287b   | λάβητε] ποιήσ(ητε) U                                                                                                                    |
| book 290a   | θρεττανελὸ] ἥχημα ὀρχηστικόν U Cs. τὸ μέλος τῆς κιθάρας U. παιῶν α’ Amb                                                                 |

|            |                                                                          |
|------------|--------------------------------------------------------------------------|
| book 290b  | τὸν Κύκλωπα] ἐπίτριτος δ' Amb                                            |
| book 291a  | μιμούμενος] super ι signum mensurae longae Amb                           |
| book 291b  | τὴν] διὰ U                                                               |
| book 291c  | ποδοῖν ὥδι] super πο- et -δι signa mensurae brevis Amb                   |
| book 291d  | παρασαλεύων] ὀρχούμενος U. (παρ)εν(σαλεύων) Amb. Super παρασα- signa Amb |
| book 292a  | ύμᾱς] super ύ signum mensurae longae Amb                                 |
| book 292b  | ἄγειν] ὀδηγεῖν U. Super ᾱ signum mensurae brevis Amb                     |
| book 292c  | εἷα] super α signa Amb                                                   |
| book 292d  | τέκεα] ὦ παιδία· χλευάζει δὲ ὡς γέροντας U                               |
| book 292e  | -κνα θάμ' ἀνα-] παιῶν α'. Super -κνα signa Amb                           |
| book 292f  | θαμίν'] μικρά U                                                          |
| book 292g  | ἀναβοῶντες] μέλη ἤγουν Amb                                               |
| book 293a  | βληχώμενοί] βοῶντες, λέγοντες U                                          |
| book 293b  | τε] signum mensurae longae suprascr. Amb                                 |
| book 293sq | ] δῖμετροι ὑπερκατάληκτοι εἰς συλλαβὴν p.i.m. Amb                        |
| book 294   | κιναβρώντων] δυσωδῶν U. Super κι- signum mensurae longae Amb             |
| book 295   | τραγοί] super ά signum mensurae brevis Amb                               |
| book 296   | θρεττανελὸ] super α signum mensurae brevis Amb                           |
| book 297a  | βληχώμενοι] λέγοντες U                                                   |
| book 297b  | τουτονὶ] super ì signum mensurae longae Amb                              |
| book 297c  | καλλαβόντες] εἰ δὲ “καταλαβόντες” ἐστίν Amb                              |
| book 298a  | ἔχοντα] super -τα signum mensurae longae Amb                             |
| book 298b  | λάχανα] signa suprascr. Amb                                              |
| book 298c  | ἄγρια] super -ια signa Amb                                               |
| book 298d  | κραιπαλῶντα] ἐκ μέθης ἀτακτοῦντα U. Super -πα- et -τα signa Amb          |
| book 299a  | ] καὶ οὗτοι δῖμετροι c.m. U                                              |
| book 299b  | ἡγούμενον] προπορευόμενον U                                              |
| book 299c  | τοῖσι] super -σι signum mensurae longae Amb                              |
| book 300a  | εἰκῇ δὲ] ὡς ἔτυχεν U. ἀμερίμνως Lut                                      |
| book 300b  | δὲ] signum mensurae longae suprascr. Amb                                 |
| book 300c  | καταδαρθέντα] κοιμηθέντα U Lut. Super καταδαρ- signa Amb                 |
| book 300d  | ]δῖμετρος ὑπερκατάληκτος Amb                                             |
| book 301a  | λαβόντες] super λα- signum mensurae brevis Amb                           |
| book 301b  | ἡμμένον] ὠξυμμένον U                                                     |
| book 301c  | σφηκίσκον] ξύλον Amb                                                     |
| book 301d  | ἐκτυφλῶσαι] ζητήσομέν σε U                                               |
| book 302a  | Κίρκην] ἤγουν τὴν Λαΐδα Amb                                              |
| book 302b  | . τὰ φάρμακ' ἄ-] παιῶν β' Amb                                            |
| book 302c  |                                                                          |

- . νακυκῶσαν] παιῶν γ' Amb
- book 303 τοῦ Φιλωνίδου] παρ' ἱστορίαν τοῦ Ὀδυσσέως U
- book 304 ] δίμετρος p.i.m. Amb
- book 305a μεμαγμένον] μεμαλαγμένον U. ἐξυμωμένον, τεταραγμένον Amb
- book 305b ἔματτεν] ἐτάρασσε U
- book 306a μιμήσομαι] super μι– signum mensurae longae Amb
- book 306b πάντας] κατὰ U
- book 306c ] δίμετρος Amb
- book 307 φιληδίας] φιληδονίας, ἀνοίας Amb. φιληδονίας Lut
- book 308 ] ἔστιν ὧδε τὸ τέλος c.m. U. τέλος int. U
- book 309 ] ἀρχή c.m. U
- book 310a μαγγανεύουσιν] μεταβάλλουσιν U
- book 310b ἐτάρους ἦν] “ἐτάρους” διὰ τὸ μέτρον U
- book 312 μιμούμενοι] τὸν υἱόν U
- book 313 μινθώσομέν θ'] ἀλείψομεν Lut
- book 315 μητρὶ] ἀντὶ τοῦ “ἐμοί” U
- book 316a εἷα νῦν τῶν:] δισπόνδειος Amb
- book 316b σκωμμάτων ἅ.—] διτρόχαιος Amb
- book 316c –παλλαγέντες:] διτρόχαιος Amb
- book 317 ] καὶ οὗτοι δίμετροι c.m. U
- book 319 τοῦ] ἀπὸ U
- book 321 οὕτω τῷ κόπῳ ξυνεῖναι] τῇ περὶ τὸν Πλοῦτον ἐπιμελείᾳ U Cs
- book 322a ] super vs. χοροῦ. Infra vs. πάλιν ἱάμβοι c.t. Amb
- book 322b χαίρειν ... ἔστιν] καινῶν ὄντων τῶν πραγμάτων καινὰ φθέγγομαι ἀφείς τὸ χαίρειν U
- book 323 προσαγορεύειν καὶ σαπρόν] ἐκ παραλλήλου τὸ ἀρχαῖον καὶ σαπρόν U
- book 324 ὀτιῇ] ἀττικόν, ὡς καὶ τὸ “δηλονοτιή” U
- book 325a κοῦ κατεβλακευμένως] οὐ ῥαθύμως, τρυφελῶς U
- book 325b κατευλακευμένως] ἐπηρμένως Amb
- book 326a ὅπως δέ μοι] λείπει “ὁρᾶτε, σκοπεῖτε” U. ὁρᾶτε Cs
- book 326b συμπαρασάταται] συνεργοί U. βοηθοί Lut
- book 327a σωτήρες] διὰ τὴν πῆρῳσιν U
- book 327b ὄντες] (ὄντ)ως U Cs
- book 327c τοῦ θεοῦ] τοῦ Πλούτου U
- book 328 δόξεις μ' Ἄρην] ὡς ἄλλον Ἄρεα U
- book 330 ὥστιζόμεσθ'] διωκόμεθα, ἐκβεβλήμεθα διὰ τῶν θυρῶν U. διωκόμεθα, ἐκβεβλήμεθα Cs. ὠθούμεθα Lut
- book 331 παρείην τῷ λαβεῖν] παραχωρήσαιμί τινι ὥστε U Cs Lut
- book 338 τοῖσι κυρείοις] τόπος ἐν ᾧ ἐκάθηντο οἱ ἀργολόγοι U
- book 341a χρηστόν τι πράττων] εὐτυχίσας U

|           |                                                                 |
|-----------|-----------------------------------------------------------------|
| book 341b | μεταπέμπεται] μετακαλεῖται U Amb                                |
| book 342  | ἐπιχώριον] οἰκεῖον τῇ διαγωγῇ τῶν Ἀθηναίων U                    |
| book 345  | τῶν φίλων] τοῦ ἀγαθοῦ δηλονότι U                                |
| book 347  | θεὸς] ἢ ὁ Πλοῦτος ἢ ἄλλος τις τῶν θεῶν U                        |
| book 349  | οἶος] μέγας Amb Lut                                             |
| book 350  | εὖ πράττειν] ἴσθι Lut                                           |
| book 351a | ἐπιτετρίφθαι] συντριβῆναι Lut                                   |
| book 351b | τοπαράπαν] ἐξ ὀλοκλήρου· παντελῶς Lut                           |
| book 352  | ] τὸ λέγον δέ· εἰ μὲν κατορθώσομεν ἢ ἀποτύχωμεν U               |
| book 355  | πρὸς] περισσόν· ἀντὶ τῆς “ἀπό” U· περισσὸν ἢ “πρός” ἀττικῶς Amb |
| book 356a | πῶς ... ὑγιές] ἀγαθὸν τοῦτο· κακοῦ ἀνθρώπου δηλονότι U          |
| book 356b | εἶ] ἐπειδὴ U Cs                                                 |
| book 357  | ἐκεῖθεν] ἀπὸ τοῦ ναοῦ U· ἄλλοθεν, ποθέν Amb                     |
| book 358  | μεταμέλει] μεταφροντίζει φοβουμένῳ τῷ ἀλῶναι U                  |
| book 359  | ἐγὼ μὲν οὖ] κέκλοφα U                                           |
| book 360a | φλυαρῶν] ἔξω τῆς ἀληθείας λέγει U                               |
| book 360b | οἶδα] ὅτι ἔκλεψεν U                                             |
| book 361  | τοιοῦτο] (τοιοῦτ)ὸν Amb                                         |
| book 362  | οὐδενός] ἐν οὐδενί U                                            |
| book 364  | ὕγιαίνειν] τὰς φρένας U· σωφρονεῖν Amb                          |
| book 365a | μεθέστηχ’] ἐνηλλάγη U                                           |
| book 365b | μεθέστηχ’ ὧν πρότερον] μετηλλάγη τῶν πρὶν τρόπων Lut            |
| book 365c | τρόπων] ἀπὸ U                                                   |
| book 366  | μελαγχολᾷς] μαίνῃ U                                             |
| book 367  | κατὰ χώραν] κατὰ τὸ πρέπον· κατὰ τάξιν U                        |
| book 368a | ἐπίδηλόν] ὅμοιον U                                              |
| book 368b | πεπανουργηκότι] βλέμματι U                                      |
| book 369a | σὺ μὲν] γρ(άφε) “ἐγὼ μὲν” int. Amb                              |
| book 369b | κρώζεις] ματαίως λαλεῖς Amb                                     |
| book 369c | ὥς ἐμοῦ] ἐξ U                                                   |
| book 370  | μεταλαβεῖν] συγκοινωνῆσαι Lut                                   |
| book 371a | τὸ δ’ ἐστὶν] ὅπερ εὗρηκα Lut                                    |
| book 371b | τοιοῦτον] τοσοῦτον Lut                                          |
| book 371c | ἀλλ’ ἐτέρως] ἄλλως πως U                                        |
| book 372  | κακοδαιμονᾷς] παραφρονεῖς U                                     |
| book 373  | ἀπεστέρηκάς γ’ οὐδένα] γενικὴ ἀττικὸν ἐνταῦθα U                 |
| book 374  | ἔγωγε. ὦ] συνίζησις Amb                                         |
| book 375  | τράποιτο] ἀπέλθῃ U                                              |
| book 376  |                                                                 |

|           |                                                                               |
|-----------|-------------------------------------------------------------------------------|
|           | κατηγορεῖς] ὑβρίζεις U                                                        |
| book 377  | ἀπὸ σμικροῦ πάνυ] ὀλίγου πράγματος καὶ ἀναλώματος U. ἐν συντόμῳ Lut           |
| book 379  | ἐπιβύσας κέρμασιν] ἐπιφράξας τοῖς κέρδεσιν U. ἐμφράξας κέρδεσι, νομίσματι Amb |
| book 380  | φίλως] ἀπὸ κοινοῦ “διαπράξας” U                                               |
| book 381  | λογίσασθαι] λογαριάσαι U                                                      |
| book 382a | ὀρῶ] ἐπόψομαι ἀορίστως U                                                      |
| book 382b | καθεδούμενον] κρινόμενον U Amb Lut                                            |
| book 383  | ἱκετηρίαν] κλάδον U                                                           |
| book 384  | κοὺ διοίσοντ’] διαφέροντα U                                                   |
| book 386  | οὐκ] εἰμὶ δηλονότι κλέπτῃς U                                                  |
| book 388  | ἀπαρτὶ] ἀπηρτισμένως U. ἐπίρρημα χρονικόν in calce U. ὀλοτελῶς Lut            |
| book 390  | σεαυτὸν] ἀπολεῖς U                                                            |
| book 394a | ἐς κόρακας] ἀττικόν· ἤγουν ἀπέλθῃς U                                          |
| book 394b | νῆ τοὺς θεοὺς] λείπει τὸ “οὐδαμῶς” Amb                                        |
| book 398  | διαπέμπεις] μεταδίδως U. στέλλεις Amb                                         |
| book 399  | ἐν τούτῳ] τῷ μεταδοῦναι U. ἐν τῷ διαπέμψαι καὶ δοῦναι Amb                     |
| book 401a | βλέψαι ποιῆσαι] τὸν Πλοῦτον Amb Lut                                           |
| book 401b | ποιῆσαι] o suprascr. ad oi Amb                                                |
| book 401c | νῶ] ἡμᾶς U Lut                                                                |
| book 402  | ἐνὶ γέ τῳ τρόπῳ] ὅπωςδὴποτε U Cs                                              |
| book 404a | ]ἐπεὶ τυφλός, διὰ τοῦτο οὐκ ἦλθεν εἰς ἐμέ U                                   |
| book 404b | οὐκ ἐτός] ματαίως U. μάτην Amb Lut                                            |
| book 409  | σκοπῶμεν] ἄς προσέξωμεν U                                                     |
| book 411  | εἰς Ἀσκληπιοῦ] οἶκον U                                                        |
| book 413  | διάτριβ’ ἀλλ’ ἄνυσε] χρόνιζε ἀλλὰ σπούδαζε U. βράδυνε Lut                     |
| book 415a | θερμὸν ἔργον] τολμηρόν· κακόν U Cs. πανοῦργον ἢ παράδοξον καὶ τολμηρόν Lut    |
| book 415b | παράνομον] παράβολον, ριψοκίνδυνον, νεωτερικόν, ἐπίβουλον Lut                 |
| book 422  | ὥχρὰ] τοιοῦτοι γὰρ οἱ πένητες U                                               |
| book 423  | ]έντεῦθεν κωμῳδεῖ τὸν Σοφοκλὴν τὸν λέγοντα τὰς Ἑρινὺς θεάς U                  |
| book 424  | μανικόν] ἐμπαθές Lut                                                          |
| book 425a | οὐκ ἔχει γὰρ δᾶδας] μετὰ δάδων γὰρ εἰσάγει ταύτας U                           |
| book 425b | κλαύσεται] ἡ Πενία U                                                          |
| book 429a | ἄληθες] ἀττικῶς Lut                                                           |
| book 429b | δεδράκατον] ἐπράξατε U                                                        |
| book 431a | οὐκοῦν] συλλογιστικόν Lut                                                     |
| book 431b | βάραθρον] ὄρυγμα U                                                            |
| book 433a | ἢ σφῳ] ἐγὼ εἰμι U                                                             |
| book 433b | ποιήσω] o suprascr. ad oi Amb                                                 |
| book 433c |                                                                               |

|           |                                                                                                |
|-----------|------------------------------------------------------------------------------------------------|
|           | δίκην] τιμωρίαν Amb                                                                            |
| book 436  | διαλυμαίνεται] γρ(άφε) “διαλαμβάνεται”. παρακλέπτει, ἀπατᾷ U. βλάπτει, ζημιοῖ Amb              |
| book 437  | μὲν οὖν] εἰμί U                                                                                |
| book 439  | θηρίον] (θηρί)ων U Cs. ἀνθρωπάριον· ζῶον Amb                                                   |
| book 440a | ἥκιστα πάντων] εἰμὶ δειλότατος U. οὐδαμῶς Amb                                                  |
| book 440b | πάντων] ἀπὸ Lut                                                                                |
| book 442  | Πενία] ἡ πτωχεία καὶ ἔνδεια παραχρηστικῶς Amb                                                  |
| book 443  | ἐξωλέστερον] ἐξολοθρευτικώτερον U                                                              |
| book 445  | παρὰ πολὺ] κατὰ πολὺ. πάνυ σφόδρα U                                                            |
| book 448  | μηδὲ διαμαχούμεθα] ἀντὶ τοῦ “μὴ ἐθελήσομεν προσμαχέσασθαι τοῦ θεοῦ” U                          |
| book 454  | καθάρματα] γρ(άφε) “τὰ καθάρματα” mrg. U. μιαιοῖ· εὐτελέστατοι· οἱ δεόμενοι καθάρσεως p.i.m. U |
| book 456  | κάκιστ’ ἀπολουμένη] ἀξία τοῦ ἀπολωλέναι Amb                                                    |
| book 460  | τοῦτό σε] κατὰ U                                                                               |
| book 465  | ἀνθρώπους] εἰς U                                                                               |
| book 466a | τοῦτο δρᾷν μέλλοντες] τὸ ἐκδιώξαι σε U                                                         |
| book 466b | ἐπιλαθοίμεθα] σοῦ τῆς Πενίας δηλονότι Amb                                                      |
| book 467a | τούτου] τοῦ ἐκβαλεῖν ἐμέ Amb                                                                   |
| book 467b | δοῦναι λόγον] διαλεχθῆναι Amb                                                                  |
| book 468  | ἀποφήνω] δείξω U                                                                               |
| book 470a | ὕμῃν ... ὕμᾱς] λείπει τὸ “ἔασατε ἢ παύσασθε τοῦ ἐγχειρήματος” U                                |
| book 471  | ] εὖ ἔστω U Cs                                                                                 |
| book 472  | τουτὶ] τὸ εἶναί σε αἰτίαν ἀγαθῶν U                                                             |
| book 474  | ἐγώ] ὕμᾱς U                                                                                    |
| book 478  | δύναιτ’ ἂν μὴ] ἤγουν δυνατόν m2 Lut                                                            |
| book 480a | τίμημ’] τιμώρημα U. ζημίαν Amb                                                                 |
| book 480b | τῇ δίκῃ] καταδίκη ἢ δικαιοσύνη U. νῦν τῇ καταδίκῃ Amb                                          |
| book 482a | ]τὴν αὐτὴν ζημίαν καὶ τιμωρίαν δοῦναι αὐτῷ U                                                   |
| book 482b | τὸ γὰρ αὐτό] ὕμῃν Amb                                                                          |
| book 484a | ταύτῃ] τῇ Πενίᾳ U Amb. οὕτως Lut                                                               |
| book 484b | ἀποχρήσουσιν] ἀρκέσουσιν U Amb                                                                 |
| book 484c | μόνῳ] οι suprascr. ad ω et οἱ ad οι U. μόνοις Cs                                               |
| book 485  | πράττοντες] λέγει τὸ ἀποθνήσκειν πάσχοντες θάνατον πρόστιμον U. πάσχοντες Amb                  |
| book 486  | ἀντειπεῖν] εἰ ὑπερνικήσετε δηλονότι U                                                          |
| book 487a | ]πάλιν ἐντεῦθεν στίχοι τετράμετροι· χοροῦ Amb                                                  |
| book 487b | χρῆν] πρέπει U. ἐχρῆν Amb                                                                      |
| book 488a | ἀντιλέγοντες] ἐν ταῖς διαλέξεσιν U                                                             |
| book 488b | μαλακὸν] ἐκλελυμένον U. ἀσθενὲς Amb                                                            |
| book 489  | τοῦτ’ εἶναι] παρέλκον U                                                                        |

|           |                                                                             |
|-----------|-----------------------------------------------------------------------------|
| book 492  | ἐπιθυμοῦντες] ἰδεῖν τὸ δίκαιον U                                            |
| book 494  | περινοσθῇ] περιέρχεται U                                                    |
| book 495  | ἀπολείψει] ἀπολειφθῇ U. ποτέ Lut                                            |
| book 500  | ὥς] πῶς U                                                                   |
| book 502  | πλουτοῦσι] χρήματα ἔχουσιν U Cs                                             |
| book 504  | σύνεισιν] συγκατοικοῦσιν Lut                                                |
| book 505a | ] τὸ σχῆμά ἐστι περίβολον, περιοδικόν Lut                                   |
| book 505b | ταύτ' ἦν] τὰ κακά U                                                         |
| book 506a | ὁδὸν] πρόφασιν Lut                                                          |
| book 506b | τοῖς ἀνθρώποις] λείπει τὸ “καί” Lut                                         |
| book 507a | ἀλλ' ὦ] ὑμεῖς U Cs                                                          |
| book 507b | ἀναπεισθέντ' ] διδαχθέντες Lut                                              |
| book 507c | οὐχ ὑγιαίνειν] εἰς τὸ U. δοκεῖτε ἐμοί U                                     |
| book 508  | τοῦ ληρεῖν καὶ παραπαίειν] ἔνεκα· πρὸς ἀντιδιαστολὴν τοῦ Χρεμύλου U         |
| book 510  | διανέμιέ τ' ἴσον ἑαυτὸν] ἐξ ἴσου πλουτίσας πάντας U                         |
| book 511  | τῶν ἀνθρώπων] ἡγουν οὐδείς τῶν ἀνθρώπων U                                   |
| book 512  | ἀμφοῖν ... ἀφανισθέντοι] τούτων τῶν δύο, ἥτοι τῆς τέχνης καὶ τῆς σοφίας Lut |
| book 515a | ρήξας] σπείρας Lut                                                          |
| book 515b | ρήξας δάπεδον ... θερίσασθαι] ἀπὸ κοινοῦ τὸ “ἐθελήσει” U                    |
| book 518a | οἱ θεράποντες] οἱ δοῦλοι Lut                                                |
| book 518b | μοχθήσουσι] ἐργάσονται Amb. ὑπηρετήσουσι Lut                                |
| book 518c | ἔξεις] κτήση U Cs                                                           |
| book 522  | ἀνδραποδιστής] ὁ πωλῶν αἰχμαλώτους U                                        |
| book 523  | κατὰ ... λέγεις] ἡγουν κάκείνου πλουτήσαντος Lut                            |
| book 524  | ] ἀνηροῦντο γὰρ οἱ ἀνδραποδίζοντες, εἰ ἡλώκεισαν Amb                        |
| book 526a | τρίψεις] διάξεις Amb                                                        |
| book 526b | τοῦ νῦν] βίου U                                                             |
| book 526c | ἐς κεφαλὴν σου] ἵνα ἔλθῃ ὁ ὀδυνηρὸς βίος U                                  |
| book 527a | οὐχ ἔξεις] καὶ κτήση U                                                      |
| book 527b | καταδαρθεῖν] ρα corr. ex -αρ- Lut. κοιμηθῆναι Lut                           |
| book 527c | ἐν κλίνῃ καταδαρθεῖν] ἐν δέρμασι γὰρ ἐκοιμῶντο πρίν Amb                     |
| book 528a | οὔτε ἐν] (οὔτ)' ἐν suprascr. ad οὔτε U Amb                                  |
| book 528b | οὔτ' ἐν τάπησιν] ἐπευκίοις U. ἐφαπλώμασιν Lut                               |
| book 529  | στακτοῖς] ὑγροῖς Amb. ῥοδοστάγμασιν Lut                                     |
| book 530a | δαπάναις] ἀναλώμασιν· ἐξόδοις Amb                                           |
| book 530b | κοσμηῖσαι] κοσμηθῆναι τὰς γυναῖκας οὐ δηλονότι U. τὴν νύμφην Lut            |
| book 531a | πλέον] κέρδος U Cs                                                          |
| book 531b | πλουτεῖν] τοῦ πλούτου U                                                     |
| book 534a |                                                                             |

- χρείαν] ἔνδειαν U Cs
- book 534b ζητεῖν] ἐρευνᾶν U
- book 534c βίον ἔξει] δεῖπνον ποιήσεται U. ζωήν Amb
- book 535a ἀγαθὸν] (ἀγαθ)ῶ(ν) Amb
- book 535b φώδων] φλυκταινῶν· ἐρευθημάτων· τζιβυλίδων U
- book 536 κολοσυρτόν] θόρυβον U Cs
- book 537a ἀριθμὸν] πληθος U Cs
- book 537b οὐδὲ λέγω] παρατρέχω U Cs
- book 539 πεινήσεις] μὴ U
- book 542a φορμὸν] ψιαθίον U. ψίαθον Amb
- book 542b τάπητος] ἐπευκίου U
- book 543 σιτεῖσθαι] ἐσθίειν U
- book 544 πτόρθους] γωλία U
- book 545a θράνους] ὑποποδίας· σκάμνου U. ὑποποδίου Cs
- book 545b μάκτρας] σκάφης ἢ σανίδος U. σκάφης Cs
- book 546a ἄρά γε] ἐπιλογικόν U. ὄντως κατ' εἰρωνείαν Lut
- book 546b πολλῶν] κατὰ U
- book 547 ] γελᾷ τὴν Πενίαν λέγων οὕτως “μὰ τὴν ἀλήθειαν, πολλῶν ἀγαθῶν σε ἀποδεικνύω αἰτίαν” U
- book 548 ὑπεκρούσω] ὑπέφηνας· ὑπηνίξω U. ἀπὸ τῆς μουσικῆς int. U. ὑπηνίξω Cs
- book 549 πενίαν ... ἀδελφὴν] ἤτοι μίαν καὶ τὴν αὐτὴν Amb
- book 551 μέλλει] παθεῖν Amb
- book 554 περιγίνεσθαι] περισσεύειν U
- book 555a τὸν βίον] τὴν ζωήν Amb
- book 555b αὐτοῦ] τοῦ πένητος U
- book 556 ταφῆναι] τυχεῖν ταφῆς U
- book 557 σπουδάζειν ἀμελήσας] ὑπὲρ τῶν ἡκριβωμένων ἐννοιῶν U
- book 559a καὶ τὴν] κατὰ U
- book 559b γνώμην] ψυχὴν U Cs
- book 559c τὴν ἰδέαν] κατὰ σῶμα U. σῶμα Cs
- book 560 πίονες ... ἀσελγῶς] οὐ φυσικῶς, ἀλλ' ἐξ ἀσελγείας U
- book 563 περανῶ λόγον] καὶ τέλος ἐπιθήσω U
- book 564a κοσμιότης] σεμνότης· κατάστασις Lut
- book 564b ὑβρίζειν] ἀλαζονεύεσθαι, ὑπερηφανεύεσθαι p.i.m. Lut
- book 565 κλέπτειν] κατ' εἰρωνείαν U
- book 567a σκέψαι] πρόσεξον U
- book 567b τοὺς ῥήτορας] διασύρει τοὺς ῥήτορας U. τοὺς δημαγωγούς, τοὺς νομομαθεῖς· ῥήτορας γὰρ νομομαθεῖς ταῖς Ἀθήναις καθίστων p. i. m. Lut
- book 567c ὥς] ὅτι U
- book 569 παραχρήμ'] εὐθέως U

- book 570 ἐπιβουλεύουσί τε τῷ] ἀττικῶς δοτική, ὡς καὶ τὸ “πολεμῶ” U
- book 571a οὐ ψεύδει] η suprascr. ad ει et ἀττικῶς δὲ δίφθογγον U
- book 571b βάσκανος] βδελυρά U
- book 572a οὐδὲν κλαύσει] ἀλλὰ κλαύσει, δῆλον U
- book 572b μηδὲν ταύτη] οὕτως U
- book 572c κομήσης] ἐπαρθῆς, κενοδοξήσης U. ἐπαρθῆς Cs
- book 573 τοῦτ’] εἰς κατὰ U. ταῦ(τ’) Amb
- book 575a ἀλλὰ] περισσόν Amb
- book 575b πτερυγίζεις] κοῦφα διαλέγη U
- book 577 φρονοῦντας] νουθετοῦντας U
- book 578 χαλεπὸν] δύσκολον U
- book 581 Κρονικαῖς] ἀρχαίαις U
- book 582–583 ] ἑλλανοδίκαι int. U
- book 585a ἀνεκήρυττεν] ἐξύμνει U. ἐξύμνει· ἐφανέρου Amb
- book 585b ἀσκητῶν] ἀθλητῶν U. τῶν ἀθλητῶν, ἀγωνιστῶν Amb
- book 586 ἐχρῆν] στεφανοῦν U
- book 589a λήροις] (λ)εῖ(ροις) Amb
- book 589b λήροις ... νικῶντας] παρ’ ὑπόνοιαν κατὰ γραφήν, “φλυαρίαις” ὀφείλων εἰπεῖν U
- book 589c ἀναδῶν] στεφανῶν U
- book 590a πολὺ τῆς πενίας] βίαιον τὸ σχῆμα U Cs
- book 590b περιάψαι] προσάψαι, περιθεῖναι Lut
- book 591 ἀνελεύθερος] φειδωλός U
- book 592 κοτίνῳ] παρ’ ὑπόνοιαν U
- book 593 ἀντιλέγειν] ἀναπόδοτα U
- book 594 διὰ τὴν πενίαν;] “οὐκ ἔστιν” “οὐ δεινόν” λείπει U. “οὐ δεινόν” λείπει Cs
- book 595 πεινῆν] ἐστί U
- book 598–599 ] τρίμετρος Amb
- book 598 μὴ γρύζης] μὴδὲ μικρόν τι λαλῆς U
- book 600–601 ] δίμετροι int. Amb
- book 600 πείσης] ἡμᾶς ἀκούσομέν σου U
- book 603 ] μονόμετρος int. Amb
- book 606 μέλλειν] βραδύνειν Amb
- book 607 ἀνύτειν] ἐπείγεσθαι εἰς ὄλεθρον U. σπεύδειν Amb
- book 608 ἧ μὴν] ὅντως U
- book 609 μεταπέμψεσθον] μετακαλέσεσθε U. μετακαλέσασθε Amb
- book 612a ἀνακλάειν] συντρίβειν U
- book 612b μακρὰ] πολλὰ U Cs
- book 612c τὴν κεφαλὴν] “τύπτουσιν” λείπει U Cs. λείπει “τύπτουσιν” Amb
- book 616

|             |                                                               |
|-------------|---------------------------------------------------------------|
|             | λιπαρὸς] ἀλειμμένος ἔλαιον ὡς ὑγρὸν καὶ θερμόν U              |
| book 618    | καταπαρδεῖν] καταφρονεῖν U                                    |
| book 619a   | ἡμῖν] ἀφ' ἡμῶν U                                              |
| book 619b   | ἡπίτριπτος] ἡ ἀξία συντριβῆς U                                |
| book 621    | εἰς Ἀσκληπιοῦ] οἶκον U                                        |
| book 622    | διατρίβωμέν] βραδύνωμεν U Amb                                 |
| book 623a   | τῶν] ἀπὸ U                                                    |
| book 623b   | προὔργου] τοῦ U                                               |
| book 624a   | παῖ] ὧ δοῦλε U. δοῦλε Amb                                     |
| book 624b   | ἐκφέρειν ἐχρῆν] ἔκφερε, ἔξαγε Lut                             |
| book 625a   | ἄγειν] ἄγε Lut                                                |
| book 625b   | ὡς νομίζεται] ὡς ἀρεστόν ἔδοξεν ἡμῖν U. πρέπει ὡς δίκαιον Amb |
| book 626a   | τᾷλλ'] τὰ περὶ θυσίαν τοῦ Ἀσκληπιοῦ Amb                       |
| book 626b   | ἡὔτρεπισμένα] φέρειν ἐχρῆν U                                  |
| book 627a   | ] Χοροῦ ἢ Καρίωνος Amb. Χοροῦ μέρος ἢ Καρίων Lut              |
| book 627b   | μεμυστυλλημένοι] ζωμὸν ἀρυσάμενοι καὶ εὐωχημένοι U            |
| book 629a   | pr. ὡς] λίαν U                                                |
| book 629b   | alt. ὡς] λίαν U                                               |
| book 629c   | πεπράγατε] ἐπράξατε U                                         |
| book 630    | ἄλλοι ... τρόπου] καὶ ἄλλοι, ὅσοι εἰσὶν ἀγαθοὶ τὸν τρόπον U   |
| book 631    | βέλτιστε] βέλτιστε πάντων τῶν δούλων Amb                      |
| book 632    | ἦκειν] ἐλθεῖν U                                               |
| book 635    | ἐξωμμάτῳ] λίαν ἔβλεψε U                                       |
| book 636    | Ἀσκληπιοῦ] θεραπευτικοῦ U Cs                                  |
| book 637    | λέγεις μοι χαράν] ὥστε βοᾷν ὑπὸ τῆς χαρᾶς U                   |
| book 638a   | ] ἀντισπᾶστους β' δέχεται οὗτος ὁ στίχος U                    |
| book 638b   | βούλησθ' ἦν τε μή] ἀντὶ τοῦ “παντὶ τρόπῳ” ἀττικῶς Lut         |
| book 639    | εὐπαιδα] ἢ τὸν ἔχοντα καλοὺς παῖδας ἢ τὸν καλὸν παῖδα U       |
| book 640a   | μέγα] τὸν ὄντα U                                              |
| book 640b   | φέγγος] σωτηρίαν Lut                                          |
| book 643    | τουτονί] τὸν θεράποντα U Cs                                   |
| book 644    | ταχέως φέρ' οἶνον] διασύρει ταύτην ὡς μεθύστριαν U            |
| book 647    | εἴσει τάχα] γνώση Amb                                         |
| book 648    | ποτέ] παρέλκον U                                              |
| book 652    | μὴ ... πράγματα] μὴ τὰς ὀχλήσεις, ἀλλὰ τὰ ἀγαθὰ U             |
| book 653    | ὡς γὰρ] ἐπειδὴ U                                              |
| book 653sqd | ] διήγησις int. U                                             |
| book 655    | εἴ τιν' ἄλλον] ὡς οὐδέ τινα U                                 |
| book 657    |                                                               |

|           |                                                                             |
|-----------|-----------------------------------------------------------------------------|
|           | εὐδαίμων] εἰρωνικῶς δυσδαίμων Amb                                           |
| book 659  | ἦμεν] ἐπορεύθημεν U Cs                                                      |
| book 660  | προθύματα] κριθάς U. τὰ κατ' ἀρχὰς θύματα Amb                               |
| book 661  | πέλανος] εἶδος θύματος U Cs                                                 |
| book 662  | κατεκλίνομεν] ἡ “κατά” ἀντὶ τῆς “ἀνά” ἀττικῶς U                             |
| book 663  | παρεκαττύετο] συνῆγε καὶ ἤρμοξε U                                           |
| book 666  | ὑπερηκόντισεν] ὑπερέβαλεν U                                                 |
| book 670  | ὁ πρόσπολος] ὁ ἱερεὺς U                                                     |
| book 673a | ἀθάρης] σεμιδάλεως U                                                        |
| book 673b | ἀθάρης ... ἐξέπληττε] ἐψομένου ἀλεύρου πεπλησμένη Lut                       |
| book 674  | γραΐδιου] ἦν γὰρ ἐκεῖ σὺν τοῖς ἄλλοις τοῖς νοσοῦσι καὶ γραΐδιον Lut         |
| book 675a | ἐφ' ἦν] σεμίδαλιν Lut                                                       |
| book 675b | δαιμονίως] κρυφίως U. εὐφυῶς Lut                                            |
| book 675c | ἐφερπύσαι] ὀρμῆσαι U Lut                                                    |
| book 676  | ἱερέα] συνίζησις Amb                                                        |
| book 677  | ἰσχάδας] τὸ ἐκ πολλῶν U                                                     |
| book 680  | καταλελειμμένον] καὶ ἀπολειφθέν U                                           |
| book 681a | ἡγίζεν] ἀγιάζειν γελοίως U Cs                                               |
| book 681b | σάκταν] σακούλιον U. σάκκον Amb                                             |
| book 682a | πολλήν] εἶναι U                                                             |
| book 682b | όσίαν] εὐλάβειαν U. εὐσέβειαν mrg. U                                        |
| book 685  | μὴ φθάσειέ] ἡ προ λαμβάνεται κατὰ τοὺς Ἀττικούς U                           |
| book 687a | αὐτοῦ] “ἐκεῖ” τοπικόν U                                                     |
| book 687b | με] μένειν U                                                                |
| book 689  | ὕφηρε] ἐξέτεινε U Cs                                                        |
| book 691  | ἀνέσπασε] ἔσυρε· συνέστειλεν· ἔκρυψε Lut                                    |
| book 694  | ἔφλων] ἥσθιον U Amb                                                         |
| book 699  | ἐπεφύσητο] ἐξωγκοῦτο U                                                      |
| book 700  | ἦ] ὄντως U. ἄρα Amb                                                         |
| book 702  | ὕπηρυθρίασε] ἡσχύνθη U                                                      |
| book 703a | ἐπιλαβοῦς'] κρατήσασα Lut                                                   |
| book 703b | οὐ ... βδέω] διότι οὐκ ἦν μυριστικόν U                                      |
| book 704  | ἐφρόντισεν] νῦν οὐκ ἦσθετο οὐδ' ἐνόησε Lut                                  |
| book 705  | ἄγροικον] ἀνόητον Lut                                                       |
| book 706  | σκατοφάγον] ἀναίσθητον U                                                    |
| book 707  | συνεκαλυψάμην] ἡ ἡδέσθην ἡ συνεκρύφην ἐν τῇ στρωμνῇ τισὶ περικαλύμμασιν Lut |
| book 709a | περιήειν] περιήϊε, περιήρχετο Lut                                           |
| book 709b | κοσμίως] πάνυ τάξει· ῥυθμῶ· εὐκόσμως Lut                                    |
| book 710a |                                                                             |

|              |                                                       |
|--------------|-------------------------------------------------------|
|              | παῖς] καὶ ἡ δούλη U                                   |
| book 710b    | θυεῖδιον] ἰγδίον Amb                                  |
| book 712     | τό γε κιβώτιον] ἀλλὰ τὸ ἰγδίον U                      |
| book 718a    | τρεις Τηνίων] καὶ ἀπὸ τῆς Τήνου U                     |
| book 718b    | ἔφλα] συνέθλα Amb                                     |
| book 719     | ὀπὸν] γάλα ὑσσώπου U                                  |
| book 720a    | διέμενος] βρέχων U Amb. ὑγράνας Lut                   |
| book 720b    | σφηττίω] δριμυτάτω U Lut. δηκτικῶ Amb                 |
| book 725a    | ἐπομνύμενον] ψευδόμενον· ἐπιорκοῦντα U. ψευδόμενον Cs |
| book 725b    | τὰς] εἰς U                                            |
| book 729     | ἡμιτύμβιον] τὸ φακιόλιον U. σουδάριον, φακιόλιον Amb  |
| book 731     | φοινικίδι] κυρίως τὸ μαγνάδιον U                      |
| book 732     | ἐπόπυσεν] ἐσύριγξεν U. ἐσύρισεν Amb                   |
| book 733     | ἐξηξάτην] ἐξέδραμον Amb                               |
| book 734     | ὑπερφυεῖς] μεγάλοι U                                  |
| book 735     | τούτω] οὔτοι U                                        |
| book 741a    | ἠφάνισεν] γρ(άφε) ἠφάντωσεν U                         |
| book 741b    | αὐτὸν] ἑαυτόν Amb                                     |
| book 741c    | εἰς τὸν νεών] ἔβησαν U Cs                             |
| book 750     | ἦν] ἔστι Amb                                          |
| book 754     | συχνήν] πολλήν U                                      |
| book 757     | οἱ δ' ] οἱ πτωχοί U                                   |
| book 758     | ἐκτυπεῖτο δὲ] διασύρει τὸν Εὐριπίδην U                |
| book 759     | εὐρύθοις] εὐτάκτοις U                                 |
| book 760     | ἄλλ' ] ἄγε δή Amb                                     |
| book 763     | θυλάκω] ἀρτοθήκη U. νῦν τῇ ἀρτοθήκῃ Amb               |
| book 765     | εὐαγγελίας] ἔνεκεν U Cs                               |
| book 768     | κομίσω] φέρω U                                        |
| book 771     | κομμάτιον χοροῦ Amb (inter vs. 770 et 771)            |
| book 773     | Κέκροπος] ἤγουν τὰς Ἀθήνας U                          |
| book 782a    | βάλ' ἐς κόρακας] ἄπελθε U                             |
| book 782b    | ὥς] λίαν U                                            |
| book 782-788 | ὥς ... εὔ] γνωμικόν U                                 |
| book 783     | παραχρήμ'] παρευθέως U                                |
| book 784     | φιλῶσι] γρ(άφε) φλῶσι U                               |
| book 789     | νόμος γάρ ἐστι] διὰ μέσου U Cs                        |
| book 790     | ταυτὶ] ταῦτα U                                        |
| book 796     | τὸν φόρτον] τὸν μεμψίμοιρον U                         |
| book 801     |                                                       |

|           |                                                                      |
|-----------|----------------------------------------------------------------------|
|           | άρπασόμενος] μέλλων ἀρπάσαι U                                        |
| book 802  | ἡδὺ πρᾶττειν] πρᾶγμα εὐτυχεῖν τινα U. πρᾶγμά τινα Cs                 |
| book 803  | ἐξενεγκόντ’] ἀναλώσαντι U Cs                                         |
| book 805a | ] γνώμη mrg. Amb                                                     |
| book 805b | ἐπεισπέπαικεν] ὑπεισῆλθε U                                           |
| book 806  | σιπύη] ἀρτοθήκη Amb                                                  |
| book 807  | ἀνθοσμίου] μεμυρισμένου· ἐρυθροῦ U                                   |
| book 808  | ἡμῖν] ἡμῶν U                                                         |
| book 812  | ὄξις] ἡ τὸ ὀξίδιον U                                                 |
| book 815  | ὁ δ’ ἱπνὸς] μαγειρεῖον U                                             |
| book 817  | ἀποψώμεθα] ἀποσπουγγιζόμεθα Amb                                      |
| book 821  | ] καίτοι πρῶν ἐπιθυμίαν εἶχον καπνοῦ· παίζει διὰ τοῦτο Ἀριστοφάνης U |
| book 824  | οὔτοσί] ἐπέκτασις U                                                  |
| book 827a | τοῦ] καὶ τίνος U                                                     |
| book 827b | δέει] τὰ δεύτερα πρόσωπα τῶν παθητικῶν δίφθογγα ἀττικῶς U            |
| book 832a | ἦ που] ὄντως U                                                       |
| book 832b | ταχέως ἐπιλέλοιπε] ἐπειδὴ ἀνήλωσας εἰς τοὺς δεομένους U              |
| book 834  | κομιδῇ] λίαν· ἀπὸ ὀνόματος τὸ ἐπίρρημα U                             |
| book 837  | ἐξετρέποντο] ἐξέφευγον U                                             |
| book 839  | ὦν] γινόμενος U                                                      |
| book 853a | πολυφόρῳ] πολλὰ δεινὰ ἐπάγοντι ἐμοί U                                |
| book 853b | συγκέκραμαι] συνεμίχθην U                                            |
| book 854  | ἀποτρόπαιε] διωκτήριε τῶν κακῶν U                                    |
| book 855  | ὅ τι] ὅπερ U                                                         |
| book 856  | σχέτλια] ἄδικα U                                                     |
| book 857  | ἀπολωλεκῶς] ἀποβεβληκῶς U                                            |
| book 860  | σχεδὸν] τάχα U                                                       |
| book 862a | τοῦ πονηροῦ] λείψανον U                                              |
| book 862b | κόμματος] ἀπὸ U                                                      |
| book 863  | ποιῶν] τὰ ἄδικα U. πάσχων Amb                                        |
| book 866  | ὁ δὲ] ἤγουν ὁ Πλοῦτος U                                              |
| book 868a | τίνα] εἰς U                                                          |
| book 868b | τοῦτο] τὰ κακά U                                                     |
| book 869  | ] ἐν ἧθει οὕτως ἀπολύτως κατὰ ἀπόφασιν τελείως U                     |
| book 870a | ὕγιες] ἀληθές U                                                      |
| book 870b | ὕμῶν] ἀφ’ U                                                          |
| book 870c | οὐδενός] ἐν οὐδενὶ πρόσωπον p.i.m. U                                 |
| book 871  | τὰ χρήματα] τὰ πράγματα U                                            |
| book 872a |                                                                      |

|           |                                                                                                                   |
|-----------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|           | σοβαρός] ἐπηρμένος U                                                                                              |
| book 872b | ὦ Δάματερ] παίζει τοὺς Δωριεῖς ἀντὶ τοῦ εἶπεῖν “ὦ Δήμητερ” U                                                      |
| book 873  | βουλιμιᾷ] πάνυ λιμώττει U Amb. πεινᾷ U Cs. Supra –λι– signum mensurae longae Amb                                  |
| book 875  | στρεβλούμενον] δεσμούμενον U                                                                                      |
| book 876  | οἴμωζ’ ἄρα σύ] θρήνει· οὐ φροντίζω σου U                                                                          |
| book 880a | τάλας] ἐγώ U                                                                                                      |
| book 880b | μετέχων καταγελᾷς] τῆς περιουσίας μου U                                                                           |
| book 881  | εἵληφας] ἐπρίω U                                                                                                  |
| book 882a | χθές] γράφεται “ἐχθές” mrg. Lut                                                                                   |
| book 882b | τριβώνιον] τριβακόν· παλαιόν U                                                                                    |
| book 883  | οὐδὲν προτιμῶ σου] λόγον ποιῶ σου· φροντίζω σου U. φροντίζω Cs. οὐδὲν φροντίζω σου Amb. ἥγουν οὐ φροντίζω σου Lut |
| book 884  | δραχμῆς] ποσότητος U                                                                                              |
| book 885a | οὐκ ἔνεστι συκοφάντου] δύναμις ὑπάρχουσα ἐπὶ τοῦ U                                                                |
| book 885b | δήγματος] λείπει τὸ “ἐλατήριον” Amb. λείπει τὸ “φάρμακον” Lut                                                     |
| book 887  | ὅτι δὲ] περὶ δὲ U                                                                                                 |
| book 889a | γε σῶ] ἀγαθῶ U                                                                                                    |
| book 889b | ὅτι] ἀργόν U Cs                                                                                                   |
| book 890  | τῶν ἐμῶν] χρημάτων U Cs                                                                                           |
| book 891a | ὕπ’ ἀληθείᾳ] κατὰ ἀλήθειαν U Cs                                                                                   |
| book 891b | σὺ μετὰ] λέγεις τοῦτο U Cs                                                                                        |
| book 895  | υυ υυ] ὥς ὁσφραινόμενος τοῦτό φησι U. ὥς ὁσφραινόμενος τοῦτο ποιεῖ Lut. ἐπίρρημα θαυμαστικόν int. Lut             |
| book 896  | κακόδαιμον] ἄθλιε U                                                                                               |
| book 897  | ἀμπέχεται] περιβέβληται U                                                                                         |
| book 904a | σκήπτομαι] προφασίζομαι U                                                                                         |
| book 904b | τύχῳ] καιροῦ U                                                                                                    |
| book 905  | τί δαὶ] ἄρα U                                                                                                     |
| book 906  | πόθεν] ποῦ U                                                                                                      |
| book 908a | τῶν ἰδίων] δημοσίων U                                                                                             |
| book 908b | βούλομαι] βουλὰς δίδω· εἶναι τοιοῦτος U                                                                           |
| book 910a | εἰ] ἐπειδὴ U Lut                                                                                                  |
| book 910b | προσῆκον] ἄξιον Lut                                                                                               |
| book 910c | εἴτ’] καὶ διὰ τοῦτο Lut                                                                                           |
| book 910d | ἀπεχθάνει] μισητός εἰ τῇ πόλει U                                                                                  |
| book 912  | ὦ κέπφε] ὦ μωρέ U                                                                                                 |
| book 913  | πολυπραγμονεῖν] συκοφαντεῖν U Cs                                                                                  |
| book 915a | μὴ ἐπιτρέπειν] παραχωρεῖν· ἐνδιδόναι U. παραχωρεῖν Cs                                                             |
| book 915b | ἐξαμαρτάνη] λείπει “οὐ καλόν;” Lut                                                                                |

|           |                                                                                               |
|-----------|-----------------------------------------------------------------------------------------------|
| book 916a | οὔκουν] εἰρωνεία ἐστίν U                                                                      |
| book 916b | ἐξεπίτηδες] ἀναγκαίως U Cs. ἐξ ἀνάγκης mrg. U. μάτην Lut                                      |
| book 917a | ἄρχειν] ὥστε U                                                                                |
| book 917b | κατηγορεῖ δέ τις] ἔστι τις δικαστῆς τῆς πόλεως U                                              |
| book 920  | προστάτην] βοηθόν U                                                                           |
| book 923  | διατριβή] ἐπιτήδευμα U. δοκιμή Lut                                                            |
| book 925  | σίλφιον] πολυτίμητος βοτάνη Amb                                                               |
| book 926  | κατάθου] πρὸς τὸν συκοφάντην ταῦτα Lut                                                        |
| book 929a | ὁ βουλόμενος] ἀφ' ὑμῶν U                                                                      |
| book 929b | οὐκοῦν ... ἐγώ] ὁ θεράπων σκώπτων λέγει· ἐν ὅσῳ δὲ λέγει ἀπέδυσεν Lut                         |
| book 930a | μεθ'] κα(θ') U                                                                                |
| book 930b | μεθ' ἡμέραν] “ἐν ἡμέρᾳ” ἀττικῶς ἐκβάλλουσιν αὐτὸν τὰ ἱμάτια U. ἐν ἡμέρᾳ· ἀττικὸν τὸ σχῆμα Lut |
| book 931  | πράττων ἐσθίειν] κλέπτων· ἀπαιτῶν U. κλέπτων Cs                                               |
| book 932  | μαρτύρομαι] ἐκμάρτυρα ποιῶ U                                                                  |
| book 934a | περιείλημμαι] καταλέλειμμαι μόνος U                                                           |
| book 934b | βοᾶς] κλαίεις U                                                                               |
| book 938  | κάλλιον] ἀρμοδιώτερον U                                                                       |
| book 941  | τί] εἰς U                                                                                     |
| book 943  | προσπατταλεύσω] (προσ)ποιήσω ὁμοίως (προσ)στήσω U                                             |
| book 946a | καὶ σύκινον] ἀντὶ τοῦ εἰπεῖν “συκοφάντην” U Cs. συκοφάντην Lut                                |
| book 946b | τοῦτον ... θεὸν] τὸν Πλοῦτον· ἐν εἰρωνείᾳ τοῦτο· δειλὸς γὰρ ὁ Πλοῦτος U Lut                   |
| book 947  | δοῦναι δίκην] λόγους μιμεῖται συκοφάντου U                                                    |
| book 949  | βουλὴν πιθῶν] τὸν δῆμον καταπείσας U. καταπείσας Cs. τιμῶν Lut                                |
| book 951  | πανοπλίαν] τὴν πτωχείαν U                                                                     |
| book 952  | ἔχων] φορῶν U                                                                                 |
| book 953a | κορυφαῖος] πρῶτος τῶν ἄλλων U                                                                 |
| book 953b | θέρου] θερμαίνου U Lut                                                                        |
| book 954  | ταύτην ποτέ] τοῦ θερμαίνεσθαι U                                                               |
| book 955  | ἔλξει] ἐκβαλεῖ U                                                                              |
| book 956  | τῶν ὀρχιπέδων] ἀπὸ τῶν ὀρχιδίων U                                                             |
| book 957a | τοῦ] ἀπὸ U                                                                                    |
| book 957b | κόμματος] τμήματος· συστήματος U                                                              |
| book 961a | παράπαν] παντελῶς U Lut                                                                       |
| book 961b | ἡμαρτήκαμεν] ἡστοχήσαμεν U                                                                    |
| book 963  | ὠρικῶς] τρυφηλῶς· νεωτερικῶς εἶπε διότι ἦν τεθρυμμένη U                                       |
| book 966  | ἀλλ' ὅ τι] διὸ U                                                                              |
| book 972  | λαχοῦς· ἔπινες] ἔκρινες, ἐδίκαζες U. ἔκρινες Cs. παρ' ὑπόνοιαν· ἐδίκαζες Lut                  |
| book 973a |                                                                                               |

- κατακέκνισμαι] λελύπημαι, κατακόπτομαι U. λυποῦμαι Amb
- book 973b δειλάκρα] ἡ ἄκρως δειλαία U Cs. ἡ ἄκρως ἀθλία Lut
- book 974a ἀνύσας] σπεύσασα U
- book 974b τίνα] κνίζειν U. κνίζῃ Cs
- book 977 εἰ ... δεηθείην] ἐπὶ αἰσχύροτητα δεῖ ταῦτα νοεῖν U
- book 979a πάντα] εἰς U
- book 979b τ' αὐθ'] αὐτά U Cs
- book 980 ὅ τι] καὶ τί U
- book 981 ἐκνομίως μ' ἡσχύνετο] λίαν· ἔξω τοῦ νόμου. ὑπερβολικῶς U. λίαν Cs. σφόδρα Lut
- book 986 μεδίμνων τεττάρων] πάντα ταῦτα παρεῖχον U
- book 989 ἔνεκεν μισητίας] πορνείας καὶ ἀσελγείας U
- book 991 μεμνῶτο] ἢ suprascr. ad ῶ Amb
- book 992 ἐκνομιώτατα] ὑπερβαλλόντως U. ἐξόχως Lut
- book 994 μεθέστηκεν] μεταβέβληται μετηλλάγη U. μεταβέβληται Cs
- book 997a ἐπόντα] ὑπερέχοντα U
- book 997b ὑπειπούσης] ἡρέμα εἰπούσης Lut
- book 998 τί ... μοι] διακοπή ἐξ ὑπερβολῆς U
- book 999 ἄμῃτα προσέπεμψεν] εἶδος πλακοῦντος γαλακτώδους U. εἶδος πλακοῦντος Cs. γαλακτώδες πλακούντιον Lut
- book 1000a ἐφ' ᾧτ'] σὺν ᾧ Lut
- book 1000b ἐλθεῖν] ἀπ(ελθεῖν) U Cs
- book 1001a ] παροιμία ἐπὶ τῶν ἐχόντων φιλίαν, ὕστερον δὲ ἀποπεμψάντων ταύτην U
- book 1001b ἀποπέμπων] ἀποδιώκων Lut
- book 1004 φακῇ] γραΐ U. τῇ γραΐ Lut
- book 1006 τῷ θεῷ] ὄν suprascr. ad ὦ et ὄν suprascr. ad ὦ U. τὸν θεὸν Cs. [para]Ἀθηνᾶν καὶ Ἀπόλλωνα Lut
- book 1008a ἐπ' ἐκφοράν] πρὸς τὸ ἐκφέρειν καὶ λαβεῖν U
- book 1008b ἐκφοράν] ᾧ suprascr. ad ἄν Amb
- book 1008c μὰ] οὗ U Cs
- book 1011 νιτάριον] νεόττιον, κοράσιον U. νεόττιον καὶ κοράσιον Cs
- book 1016 ζηλότυπος] φθονερός Lut
- book 1017 ἐσθίων] τὰ σὰ ἀγαθὰ U
- book 1020a ὄζειν] μυρίζειν Lut
- book 1020b χρώας] τὸ σῶμα Lut
- book 1021a εἰ] ἐπειδὴ U
- book 1021b θάσιον] οἶνον μεμυρισμένον Lut
- book 1021c ἐνέχεις] ἐκίρνας U
- book 1024a καπρώσης] σεσημμένης U
- book 1024b τὰφόδια] τὰ ἀναλώματα· τὴν οὐσίαν· κόπρια U

- book 1025 ταῦτ’] διὰ U
- book 1028 νῆ Δία] λείπει “τὸν μισθόν” ἢ “τὴν συνουσίαν” Lut
- book 1029 πάλιν ἀντευποιεῖν] ἀντίχαριν ποιεῖν U
- book 1030a ἢ α μὴδ’ β ὅτιοῦν ε δίκαιον γ ἀγαθὸν ζ ἔστ’ δ ἔχειν ζ Lut
- book 1030b ἔστ’ ἔχειν] μὴ πλοῦτον ἔχειν U
- book 1032 ἔφη] ὁ νέος U
- book 1033 ὀρθῶς] καλῶς U
- book 1035 κατασέσηπας] ἐσάπης U. γελοίου χάριν Lut
- book 1036a διὰ δακτυλίου] ὅτι λεπτή εἰμι U
- book 1036b ἂν διελκύσαις] διαβιβάσαις U
- book 1037a εἰ] ναί U
- book 1037b ὦν τηλία] κοσκίνου γύρω U
- book 1040 κῶμον] μέθην U
- book 1042a ἀσπάζομαι] ὥς διὰ χρόνου αὐτὴν ἰδὼν Lut
- book 1042b ἀρχαία] ὦ U
- book 1043 νῆ τὸν οὐρανόν] ἐπὶ τῷ φανερωῷ ἐπομνύουσι τὸν οὐρανόν U
- book 1044 ὕβρεως] ἔνεκεν U
- book 1046 ταλάνταθ’] τιμιώτατε Lut
- book 1049a ἀκόλαστος] ἄχρηστος U
- book 1049b τοὺς] κατὰ U
- book 1051 τῶν ῥυτίδων] γρ(άφε) “τὰς ῥυτίδας” U
- book 1052 ᾧ ᾧ ... πρόσφερε] ἔφερε γὰρ τὴν δᾶδα ἐν τῷ προσώπῳ ὁ νέος ἀπτομένην U. ἐκπληκτικὸν ἢ κελευστικόν, ὥς τοῦ νέου προσφέροντος τὴν δᾶδα αὐτῇ Lut
- book 1054 καύσεται] καύσει Lut
- book 1055 παῖσαι] ἀντὶ τοῦ παῖξαι Amb. παῖξαι Lut
- book 1059 ἀπότισον] ἀπόδος U
- book 1061 πλυνόν] τὸ ἀγγεῖον τὸ σαπρόν U
- book 1062a ὄναιο] ὠφεληθῆς Lut
- book 1062b ἐκπλύνειέ σε] ἐπὶ συνουσίᾳ εἶπε U. αἰσχροῦς ἐπὶ συνουσίᾳ Lut
- book 1063 καπηλικῶς] τεθρυμμένως U. πανουργικῶς ἐπικαλύπτει γὰρ τὸ εἶδος ψιμύθῳ ὥς οἱ κάπηλοι τὸν οἶνον τῷ σαπρῷ p. i. m. Lut
- book 1065 τὰ ῥάκη] τὰς ῥυτίδας U Lut
- book 1066a ὑγιαίνειν] φρονεῖν U
- book 1066b δοκεῖς] φαίνεσαι U
- book 1067 πειρᾷ] δοκιμάζει U
- book 1069 ἐμοῦ ... σύ] ἐφάπτεται τοὺς μαστούς U
- book 1070 οὐ δῆτα] οὐδαμῶς U
- book 1072 ὑπερφιλῶ] λίαν U
- book 1076 τὸ τί] τὸ συνουσιάζειν Lut

- book 1078 ἐπέτρεπον] παρεχώρουν U. τὸ συνουσιάζειν Lut
- book 1080 οὐκέτ' ἄξιοις] “τὸν νοῦν” καὶ τὴν ἔννοιαν U
- book 1081 ὁ ... τίς] συνεργήσων λαβεῖν με τῷ μειρακίσκῳ U
- book 1082 διεσπεκλωμένη] γεγηρακυῖα καὶ συνουσιωμένη U
- book 1087 τρύγοιπος] σάκκινος ὑλιστήρ U. ὑλιστήρ, σακελιστήριον Lut
- book 1092 οὐ γὰρ βιάσεται] ἡμᾶς ἢ γραῦς, ἵνα ἔλθῃ ἔσω U
- book 1093 ἐπίττουν] ἐκίνουν U
- book 1095 εὐτόνως] ἰσχυρῶς U
- book 1096 προσείχετο] ἥπτετο Lut
- book 1097a ] χοροῦ Amb
- book 1097b κόπτων] κρούων U
- book 1100 Καρίων] ὦ U
- book 1102 μὰ] οὐ U Cs
- book 1108a συγκυκῆσας] ταράξας Lut
- book 1108b τρύβλιον] ἀγγεῖον· ὀξύβαφον Lut
- book 1109 ἀπαξάπαντας] συντόμως λέγω Amb
- book 1110a τούτων] τούτῳ U Cs
- book 1110b τούτων γίνεται] δυσφημία· τέμνεται U Cs. τέμνεται ἡγουν θύεται int. U. γρ(άφε) “τέμνεται” Amb
- book 1112 πραγμάτων] δυσχερειῶν Amb
- book 1115 ψαιστὸν] ἄρτον ἐλαίῳ βεβρεγμένον Amb. ἔστι δὲ πέμμα ἢ εἶδος πλακοῦντος Lut
- book 1117 ἐπεμελεῖσθ' ἡμῶν] ὅτε οὐκ ἔβλεπεν ὁ Πλοῦτος U
- book 1118 μέλει] φροντίς ἐστιν Amb
- book 1119a κάπιτέτριμμαι] ἡφάνισμαι U
- book 1119b σωφρονεῖς] καλῶς λέγεις U
- book 1121a ἔωθεν] ἀπὸ τῆς πρωΐας U
- book 1121b οἰνοῦτταν] οἰνόπιτταν U
- book 1124a δικαίως] “πεινᾶς” λείπει U. λείπει τὸ “πεινᾶς” Lut
- book 1124b ζημίαν] τοῖς τοιαῦτα ἀγαθὰ σοι παρέχουσιν Lut
- book 1125 πεπεμμένου] ἐζυμωμένου U
- book 1127 ] γνωμικόν Mrg. Lut
- book 1129a ἀσκωλίαζ'] πῆδα τῷ ἀσκῷ· ἢ ἐστερημένος τῆς κωλῆς καὶ πεινῶν U. πῆδα τῷ ἀσκῷ Cs
- book 1129b πρὸς τὴν αἰθρίαν] πρὸς τὸν ἥλιον δίαιγε U
- book 1131 ἐπιστρέφειν] (ἐπιστρέ)ψας U
- book 1132a ἴσον] οἶνον U
- book 1132b ἴσῳ κεκραμένης] ὕδατι μεμιγμένης U
- book 1133a ]παρ' ὑπόνοιαν· οἶονεῖ πιὼν ταύτην εἰς τὸν Ἄϊδην ἀπότρεχε U
- book 1133b φθάνοις] οὐκ ἂν πέρας σχοίης τῶν κακῶν Lut
- book 1134

|            |                                                    |                                        |
|------------|----------------------------------------------------|----------------------------------------|
|            | φίλον] κατὰ τὸ κλέπτειν φίλος ὁ Ἑρμῆς τοῖς δούλοις | Lut                                    |
| book 1136  | πεπεμμένον] ἐζυμωμένον                             | U                                      |
| book 1137  | κρέας νεανικὸν] δυνάμενον χορτάσαι νεώτερον        | U. μέγα· δυνάμενον νεανίαν κορέσαι Amb |
| book 1140  | λανθάνειν] ἐκφεύγειν                               | U                                      |
| book 1142a | ἦκεν] ἦλθεν                                        | U                                      |
| book 1142b | ναστὸς] ἄρτος σκληρός                              | U                                      |
| book 1145  | πανουργήσας] κλέψας                                | U                                      |
| book 1146  | εἰ ... κατέλαβες] ἐὰν ἐπλούτησας                   | U Cs                                   |
| book 1149  | τὰ γὰρ] ναί                                        | U                                      |
| book 1150a | ταύτομολεῖν] τὸ ἐνταῦθα ἐλθεῖν                     | Lut                                    |
| book 1150b | ἄστεϊον] θαυμαστόν                                 | U                                      |
| book 1153  | στροφαῖον] θυρωρὸν καὶ δόλιον ἄνθρωπον             | U. πυλωρόν Amb                         |
| book 1154  | στροφῶν] πανουργημάτων                             | U                                      |
| book 1155  | ἐμπολαῖον] ἀγοραῖον                                | U                                      |
| book 1156  | παλιγκάπηλον] κλέπτην                              | U                                      |
| book 1159  | ἡγεμόνιον] ὁδηγόν                                  | U                                      |
| book 1160  | δεησόμεσθ'] παρέμπτωσις                            | U                                      |
| book 1162  | συμφορώτατον] ἁρμοδιώτατον                         | U Cs. ἁρμόδιον Lut                     |
| book 1165  | βιότιον] ζωήν                                      | Lut                                    |
| book 1167a | γεγράφθαι] ὠνομάσθαι                               | Lut                                    |
| book 1167b | γράμμασιν] δικαστηρίοις                            | U                                      |
| book 1170  | διακονικῶς] καὶ τοιοῦτος Ἑρμῆς                     | Lut                                    |
| book 1172  | κακῶς] λείπει τὸ “ἔχω”                             | Lut                                    |
| book 1181  | ἐκαλλιερεῖτό] ἔθυε                                 | U. ἔθυσε Cs                            |
| book 1184a | ἀποπατησόμενοι] μέλλοντες χέσαι                    | U                                      |
| book 1184b | πλεῖν] πλείους                                     | U Cs. πλέον Lut                        |
| book 1187  | χαίρειν ἐάσας] λυπεῖσθαι κατ' εὐφημισμὸν           | U Cs                                   |
| book 1188  | καλῶς] λέγεις                                      | U Cs                                   |
| book 1189  | ὁ σωτήρ] ὁ Πλοῦτος                                 | Lut                                    |
| book 1195  | ἔχων προηγῇ] κρατῶν ταύτας                         | Lut                                    |
| book 1199a | ἔχουσά γ'] φοροῦσα                                 | U Cs                                   |
| book 1199b | ποικίλα] ἱμάτια δηλονότι                           | U. ἱμάτια Cs. λείπει τὸ “ἱμάτια” Lut   |
| book 1202  | ἐγγυᾶ] ὑπισχνῇ                                     | Amb                                    |
| book 1203  | ἔμ' οἶσω] κομίσω                                   | U                                      |
| book 1206  | ἡ γραῦς] τὸ ἄφρισμα                                | U. ὁ ἀφρός Amb                         |
| book 1207  | ἐπιπολῆς] ἐπάνω                                    | U Cs. ὀλίγον Amb                       |
| book 1208  | ἀναχωρεῖν] εἰς τοῦπισθεν                           | Lut                                    |
| book 1209  | κατόπιν] ὀπισθεν                                   | Amb                                    |